बी.ए.– बी.एड. प्रथम वर्ष, परीक्षा 2022

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्र

प्राचीन हिन्दी काव्य

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक – **मध्यकालीन कविता का पाठ** – 1 (सं.) त्रिभुवननाथ शुक्ल, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

इकाई 1 : **कबीर** – निर्धारित काव्यांश – साखियाँ – सम्पूर्ण
जायसी – निर्धारित काव्यांश – सम्पूर्ण

इकाई 2 : **सूरदास** – निर्धारित काव्यांश – पद संख्या 23 से 52 तक
तुलसीदास – निर्धारित काव्यांश – सम्पूर्ण

इकाई 3 : **बिहारी**– निर्धारित काव्यांश – सम्पूर्ण
घनानन्द – निर्धारित काव्यांश – सम्पूर्ण

इकाई 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि** : 1–चन्दबरदाई 2– अमीर खुसरो 3– मीराँबाई

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि** : 1–रहीम 2–देव 3–भूषण

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित काव्यांशों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या
इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित कवियों से पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

कबीर : विजयेन्द्र स्नातक
जायसी : एक नई दृष्टि : रघुवंश
महाकवि सूरदास : नन्ददुलारे वाजपेयी
बिहारी काव्य का अभिनव मूल्यांकन : किशोरीलाल
भूषण : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
तुलसीदास (परिवेश और प्रदेय) : सं. मदनगोपाल गुप्त
अमीर खुसरो और उनका हिन्दी साहित्य : भोलानाथ तिवारी
भक्तिकाव्य की परम्परा में मीराँ : रमा भार्गव

बी.ए.– बी.एड. प्रथम वर्ष परीक्षा 2022

हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न–पत्र

हिन्दी कथा साहित्य

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें–

1. **गबन** – प्रेमचन्द
2. **कहानी एकादशी** – (सं.) डॉ. विजयलक्ष्मी, प्रगति संस्थान, दिल्ली

इकाई 1 : **गबन** – प्रेमचन्द

इकाई 2 : **कहानी एकादशी** – निर्धारित कहानियाँ– 'गुण्डा'–जयशंकर प्रसाद, 'पूस की रात'– प्रेमचन्द, 'पाजेब'–जैनेन्द्र कुमार, 'परदा'–यशपाल, 'रोज'–अज्ञेय (कुल पाँच)

इकाई 3 : **कहानी एकादशी** – निर्धारित कहानियाँ– 'लाल पान की बेगम' – फणीश्वरनाथ 'रेणु', 'पहाड़'–निर्मल वर्मा, 'अमृतसर आ गया है'–भीष्म साहनी, 'दिल्ली में एक मौत'–कमलेश्वर, 'वापसी'–उषा प्रियंवदा (कुल पाँच)

इकाई 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कथाकार**– 1. चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' 2. सुदर्शन 3.रांगेय राघव

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कथाकार**– 1. मोहन राकेश 2. मार्कण्डेय 3. राजेन्द्र यादव

प्रश्न एवं अंक– विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य कृतियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या
इकाई चार, पाँच में निर्धारित कथाकारों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य कृतियों/कृतिकारों से पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

प्रेमचन्द और उनका युग : रामविलास शर्मा
हिन्दी कहानी; उद्भव और विकास : सुरेश सिन्हा
हिन्दी कहानी की शिल्प विधि का विकास : लक्ष्मी नारायण लाल
कहानी : प्रकृति और पाठ : सुरेन्द्र उपाध्याय
कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव
हिन्दी कहानी रचना प्रक्रिया : परमानन्द श्रीवास्तव

बी0ए0– बी0एड0 द्वितीय वर्ष – 2023

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्र

अर्वाचीन हिन्दी काव्य

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।
निर्धारित पाठ्य पुस्तक–**आधुनिक काव्य– संग्रह** : सं0 रामवीरसिंह शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।

इकाई 1 : **मैथिलीशरण गुप्त** : निर्धारित काव्यांश – कैकेयी अनुताप, उर्मिला, यशोधरा
जयशंकर प्रसादः निर्धारित काव्यांश – आँसू, हे लाज भरे सौन्दर्य बता दो, ले चल वहाँ भुलावा देकर, अरुण यह मधुमय देश हमारा।

इकाई 2 : **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'** : निर्धारित काव्यांश – जूही की कली, संध्या सुंदरी, जागो फिर एक बार, भिक्षुक, विधवा।
सुमित्रानन्दन पंत – निर्धारित काव्यांश – नौका विहार, द्रुत झरो, वाणी, ताज, परिवर्तन।

इकाई 3 : **रामधारी सिंह 'दिनकर'** – निर्धारित काव्यांश – हिमालय, बालिका से वधू, गीत–अगीत, कुन्ती और कर्ण, बुद्धदेव
सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' – निर्धारित काव्यांश – कलगी बाजरे की, रात होते – प्रात होते, साँप के प्रति, यह दीप अकेला, छब्बीस जनवरी।

इकाई 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि** : (1) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(2) महादेवी वर्मा (3) माखनलाल चतुर्वेदी

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि** : (1) केदारनाथ अग्रवाल
(2) हरिवंशराय बच्चन (3) धर्मवीर भारती

प्रश्न एवं अंक–विभाजन :
खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द)
10x2=20 अंक
खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित काव्यांशों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्याएँ। इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न
(शब्द सीमा 250 शब्द) 5x7=35 अंक
खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित कवियों से पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3x15=45 अंक

सहायक पुस्तकें :
आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ : डॉ0 नगेन्द्र
भारतीय संस्कृति के आख्याताः मैथिलीशरण गुप्त : उमाकान्त गोयल
कवि निराला : नन्ददुलारे वाजपेयी
छायावाद : नामवर सिंह
दिनकर के काव्य में राष्ट्रीय भावना : शिवकान्त गोस्वामी
अज्ञेय की कविता : चन्द्रकांत वांदिवडेकर
नया हिन्दी काव्य : शिवकुमार मिश्र

बी0ए0– बी0एड0 द्वितीय वर्ष परीक्षा 2023

हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न–पत्र

हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य– विधाएँ

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

पाठ्य पुस्तकें :

इकाई 1 **अजातशत्रु** : जयशंकर प्रसाद

इकाई 2 **चेतना का संस्कार** : (सं0) डॉ0 विश्वनाथप्रसाद तिवारी, सदानन्द गुप्त, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

निर्धारित निबंध–

'होली है' – प्रतापनारायण मिश्र, 'बनाम लार्ड कर्जन' – बालमुकुन्द गुप्त
'श्रद्धा–भक्ति' – रामचन्द्र शुक्ल, 'अशोक के फूल' – हजारीप्रसाद द्विवेदी
'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' – विद्यानिवास मिश्र (कुल पाँच)

इकाई 3 **प्रतिनिधि एकांकी संकलन** : (सं0) डॉ0 लक्ष्मीनारायण लाल, पीताम्बर पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली

इकाई 4 **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित गद्यकार** :
(1) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (2) महावीर प्रसाद द्विवेदी (3) सरदार पूर्ण सिंह

इकाई 5 **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित गद्यकार** :
(1) राहुल सांकृत्यायन (2) रामवृक्ष बेनीपुरी (3) शरद जोशी

प्रश्न एवं अंक–विभाजन :

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द)

10x2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या, इकाई चार, पाँच में निर्धारित गद्यकारों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5x7=35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य कृतियों/कृतिकारों से पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।

(शब्द सीमा 500 शब्द) 3x15=45 अंक

सहायक पुस्तकें :

प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगन्नाथ शर्मा
प्रसाद की नाट्यकला : रामकृष्ण शुक्ल 'शिलीमुख'
हिन्दी निबन्ध का विकास : ओंकारनाथ शर्मा
हिन्दी के प्रमुख निबंधकार रचना और शिल्प : गणेश खरे
हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार
राहुल सांकृत्यायन : सृजन और संघर्ष : उर्मिलेश

बी0ए0 – बी0एड0 तृतीय वर्ष परीक्षा 2024

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्र

हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

इकाई 1 : **हिन्दी भाषा**–हिन्दी की मूल आकर भाषाएँ–संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश का परिचय, विशेषताएँ। हिन्दी का उद्भव और विकास। हिन्दी और उसकी बोलियों का सामान्य परिचय।

इकाई 2 : **हिन्दी भाषा के विविध रूप**–बोलचाल की भाषा, राजभाषा, रचनात्मक भाषा, राष्ट्र भाषा, सम्पर्क भाषा, संचार भाषा।
हिन्दी का शब्द भण्डार–तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली। देवनागरी लिपि : उद्भव–विकास एवं मानक – रूप ।

इकाई 3 : **हिन्दी साहित्य का इतिहास**–आदिकाल–सीमांकन, नामकरण। परिस्थितियाँ, आदिकालीन साहित्य का वर्गीकरण, प्रमुख काव्यधाराओं का परिचय एवं वैशिष्ट्य, विशिष्ट रचनाकारों का सामान्य परिचय।

इकाई 4 : **भक्तिकाल**– सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन्तकाव्य, सूफी काव्य, रामभक्ति काव्य धाराओं की प्रमुख काव्य–प्रवृत्तियाँ, कृष्णभक्ति काव्य। विशिष्ट रचनाकारों का सामान्य परिचय।
रीतिकाल–नामकरण, रीतिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ। प्रमुख रचनाकार।

इकाई 5 : **आधुनिक काल**–पृष्ठभूमि, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता की काव्य–प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ।
प्रमुख गद्य विधाओं–निबन्ध, नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी एवं आलोचना का उद्भव एवं विकास

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क)	प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द)	10x2=20 अंक
खण्ड (ख)	प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द)	5x7=35 अंक
खण्ड (ग)	प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जायेगा, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द)	3x15=45 अंक

सहायक पुस्तकें –

हिन्दी भाषा का इतिहास : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास : उदयनारायण तिवारी
हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : गुलाबराय
हिन्दी साहित्य का इतिहास : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

बी0ए0 –बी0एड0 तृतीय वर्ष – 2024

हिन्दी साहित्य
द्वितीय प्रश्न–पत्र

काव्यांग विवेचन एवं हिन्दी गद्य विधाओं का स्वरूप

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

इकाई 1 काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य–भेद।

इकाई 2 रस का स्वरूप, रस के अवयव–स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव। रस के भेदों का परिचय।

इकाई 3 **अलंकार**–सामान्य परिचय, निर्धारित अलंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, भ्रान्तिमान, सन्देह, उत्प्रेक्षा, दृष्टान्त, विरोधाभास, असंगति (कुल 12)
छन्द–सामान्य परिचय, निर्धारित छन्द–दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला, इन्द्रवज्रा, मन्दाक्रान्ता, उपेन्द्रवज्रा, मदिरा सवैया, मत्तगयन्द सवैया, दुर्मिल सवैया, मनहरण, देव घनाक्षरी (कुल 12)

इकाई 4 **काव्य–गुण**
काव्य-दोष–निर्धारित काव्य–दोष–श्रुतिकटुत्व, च्युतसंस्कृति, ग्राम्यत्व, अश्लीलत्व, अप्रतीतत्व, क्लिष्टत्व, न्यूनपदत्व, अधिक पदत्व, पुनरुक्तत्व, अक्रमत्व, दुष्क्रमत्व (कुल 11)
शब्द शक्तियाँ

इकाई 5 **गद्य विधाओं**–नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी, निबन्ध, आलोचना, संस्मरण, रेखाचित्र, आत्मकथा, जीवनी का स्वरूप एवं तात्विक विवेचन।

इकाई एवं अंक–विभाजन :

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10x2= 20 अंक

खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5x7= 35 अंक

खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जायेगा, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे (शब्द सीमा 500 शब्द) 3x15= 45 अंक

सहायक पुस्तकें :

सिद्धान्त और अध्ययन : गुलाब राय
काव्य प्रदीप : रामबहोरी शुक्ल
साहित्य रूप : शिवकरण सिंह
काव्य के रूप : गुलाब राय
हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी
काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र

बी0ए0 –बी0एड0 अन्तिम वर्ष – 2025

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्र

एक साहित्यकार का विशेष अध्ययन : मीराबाई

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

पाठ्यपुस्तक : मीरा पदमाला , (सं.) स्वामी (डॉ.) ओम् आनन्द सरस्वती , प्रो.सत्यनारायण समदानी, प्रकाशक– मीरा स्मृति संस्थान , चित्तौड़गढ़

इकाई एवं अंक–विभाजन :

खण्ड (क) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से कुल दस लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10x2= 20 अंक

खण्ड (ख) पाठ्य पुस्तक से विकल्प सहित कुल पाँच व्याख्याएँ (शब्द सीमा 250 शब्द) 5x7= 35 अंक

खण्ड (ग) मीराबाई के जीवन एवं काव्य से संबंधित पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे (शब्द सीमा 500 शब्द) 3x15= 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

मीराबाई : राजेन्द्रमोहन भटनागर

मीरा : जीवन और काव्य : सी.एल.प्रभात

मीराँबाई : ऐतिहासिक सामाजिक विवेचन : हुकमसिंह भाटी

मीरा : व्यक्तित्व और कृतित्व : पद्मावती झुनझुनवाला

मीराँ का जीवनवृत्त एवं काव्य : कल्याणसिंह शेखावत

बी0ए0 –बी0एड0 अन्तिम वर्ष – 2025

हिन्दी साहित्य
द्वितीय प्रश्न–पत्र

प्रयोजनमूलक हिन्दी

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

इकाई 1 प्रयोजनमूलक हिन्दी – अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप। प्रयोजनमूलक हिन्दी की आवश्यकता व महत्व। प्रयोजनमूलक हिन्दी की विशेषताएँ। प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूप।

इकाई 2 हिन्दी की प्रयोजनमूलक शैलियाँ– बोलचाल की शैली, संवाद शैली, विचारात्मक शैली, पत्रलेखन शैली, प्रशासनिक शैली। हिन्दी का प्रयोजनमूलक प्रयोग– वाणिज्यिक, कार्यालयी, विधि, वैज्ञानिक एवं तकनीकी भाषा।

इकाई 3 अनुवाद– अर्थ, परिभाषा व प्रकार, अनुवाद की प्रक्रिया, अनुवादक के गुण। अनुवाद : अंग्रेजी से हिन्दी। पारिभाषिक शब्दावली।

इकाई 4 संक्षेपण– महत्व, प्रक्रिया, विशेषताएँ एवं संक्षेपक के गुण।
पल्लवन– महत्व,प्रक्रिया एवं भाषा
प्रशासनिक पत्राचार– शासकीय पत्र, अर्धशासकीय पत्र, कार्यालय आदेश, परिपत्र, अधिसूचना, प्रेस विज्ञप्ति , निविदा। कार्यालयी टिप्पणी।

इकाई 5 हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त परिचय। हिन्दी पत्रकारिता का वर्तमान स्वरूप। समाचार लेखन– समाचार के प्रकार, समाचार के स्रोत। विज्ञापन लेखन ।

इकाई एवं अंक–विभाजन :

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10x2= 20 अंक

खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5x7= 35 अंक

खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जायेगा, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे (शब्द सीमा 500 शब्द) 3x15= 45 अंक

सहायक पुस्तकें :

प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग : दंगल झाल्टे
प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे
हिन्दी का अनुप्रयुक्त स्वरूप : रामप्रकाश, दिनेश गुप्त
अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा : सुरेश कुमार
हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप एवं सन्दर्भ : विनोद गोदरे

बी.ए.–बी.एड. बी.एससी. बी–एड प्रथम वर्ष परीक्षा 2022
आधार पाठ्यक्रम : सामान्य हिन्दी
बी.ए. प्रथम वर्ष परीक्षा 2022

नोट : यह प्रश्न–पत्र दो घण्टे की अवधि और 100 अंकों का होगा।

इकाई 1 – पाठ्य पुस्तक–गद्य मंजूषा : सम्पादक–प्रो.एन,के.पाण्डेय, प्रो.दीपेन्द्र सिंह जाडेजा प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, निर्धारित पाठ– स्वामी विवेकानन्द के पत्र (पत्र) दुनिया का अनमोल रतन (कहानी) प्रेमचन्द, मित्रता (निबंध), आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, कुटज (ललित निबंध) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, लघु जीवन (जीवनी) विष्णु प्रभाकर, गंगा : आविर्भाव और तिरोभाव (सांस्कृतिक निबंध) विद्यानिवास मिश्र, अग्नि की उड़ान का पुस्तक अंश (आत्मकथा), डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम, देवी स्थान के शिखर पर महादेवी (संस्मरण) निर्मल वर्मा (कुल आठ)

इकाई 2 – (क) वर्णों का वर्गीकरण – भेद प्रभेद, (ख) सन्धि (ग) समास
(घ) उपसर्ग – प्रत्यय (ङ) तत्सम– तद्भव (च) शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि

इकाई 3 – (क) संज्ञा और संज्ञा के विकारी तत्व–लिंग, वचन, कारक (ख) सर्वनाम (ग) विशेषण (घ) क्रिया और सहायक क्रिया–क्रिया, काल वृत्ति, पक्ष, वाच्य (ङ) अविकारी तत्व–क्रिया विशेषण, संबंध बोधक, समुच्चय बोधक, विस्मयादि बोधक, निपात (च) विराम–चिह्न

इकाई 4 – (क) अनेकार्थी शब्द (ख) युग्म शब्द (ग) वाक्यांश के लिए एक शब्द
(घ) पर्यायवाची शब्द (ङ) विलोम शब्द (च) मुहावरे–लोकोक्तियाँ

इकाई 5 – (क) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ (ख) मानक हिन्दी वर्णमाला तथा अंक, (ग) हिन्दी वर्तनी का मानक रूप (घ) कार्यालयी पत्र लेखन (ङ) कार्यालयी टिप्पणी (च) पारिभाषिक शब्दावली (कार्यालयी)

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

- प्रत्येक इकाई 20 अंक की होगी – 20X 5= 100 अंक
- प्रत्येक इकाई से एक–एक अंक के बीस बहुविकल्पात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे–

20X 5= 100

सहायक पुस्तकें–

हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीदास वाजपेयी
हिन्दी व्याकरण : कामताप्रसाद गुरु
हिन्दी का सामान्य ज्ञान : हरदेव बाहरी
आलेख –प्रारूप : शिवनारायण चतुर्वेदी
टिप्पणी– प्रारूप : शिवनारायण चतुर्वेदी
मानक हिन्दी वर्तनी तथा नागरी लिपि : वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली।

B.A.B.ED,B.SC.B.ED
Ist Year 2022
General Hindi

बी.ए.–बी.एड. बी.एससी. बी–एड प्रथम वर्ष परीक्षा 2022
आधार पाठ्यक्रम : सामान्य हिन्दी
बी.ए. प्रथम वर्ष परीक्षा 2022

नोट : यह प्रश्न–पत्र दो घण्टे की अवधि और 100 अंकों का होगा।

इकाई 1 – पाठ्य पुस्तक–गद्य मंजूषा : सम्पादक–प्रो.एन,के.पाण्डेय, प्रो.दीपेन्द्र सिंह जाडेजा प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, निर्धारित पाठ– स्वामी विवेकानन्द के पत्र (पत्र) दुनिया का अनमोल रतन (कहानी) प्रेमचन्द, मित्रता (निबंध), आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, कुटज (ललित निबंध) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, लघु जीवन (जीवनी) विष्णु प्रभाकर, गंगा : आविर्भाव और तिरोभाव (सांस्कृतिक निबंध) विद्यानिवास मिश्र, अग्नि की उड़ान का पुस्तक अंश (आत्मकथा), डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम, देवी स्थान के शिखर पर महादेवी (संस्मरण) निर्मल वर्मा (कुल आठ)

इकाई 2 – (क) वर्णों का वर्गीकरण – भेद प्रभेद, (ख) सन्धि (ग) समास
(घ) उपसर्ग – प्रत्यय (ङ) तत्सम– तद्भव (च) शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि

इकाई 3 – (क) संज्ञा और संज्ञा के विकारी तत्व–लिंग, वचन, कारक (ख) सर्वनाम (ग) विशेषण (घ) क्रिया और सहायक क्रिया–क्रिया, काल वृत्ति, पक्ष, वाच्य (ङ) अविकारी तत्व–क्रिया विशेषण, संबंध बोधक, समुच्चय बोधक, विस्मयादि बोधक, निपात (च) विराम–चिह्न

इकाई 4 – (क) अनेकार्थी शब्द (ख) युग्म शब्द (ग) वाक्यांश के लिए एक शब्द
(घ) पर्यायवाची शब्द (ङ) विलोम शब्द (च) मुहावरे–लोकोक्तियाँ

इकाई 5 – (क) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ (ख) मानक हिन्दी वर्णमाला तथा अंक, (ग) हिन्दी वर्तनी का मानक रूप (घ) कार्यालयी पत्र लेखन (ङ) कार्यालयी टिप्पणी (च) पारिभाषिक शब्दावली (कार्यालयी)

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

- प्रत्येक इकाई 20 अंक की होगी – 20X 5= 100 अंक
- प्रत्येक इकाई से एक–एक अंक के बीस बहुविकल्पात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे–

20X 5= 100

सहायक पुस्तकें–

हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीदास वाजपेयी
हिन्दी व्याकरण : कामताप्रसाद गुरु
हिन्दी का सामान्य ज्ञान : हरदेव बाहरी
आलेख –प्रारूप : शिवनारायण चतुर्वेदी
टिप्पणी– प्रारूप : शिवनारायण चतुर्वेदी
मानक हिन्दी वर्तनी तथा नागरी लिपि : वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली।

बी.ए.–बी.एड. बी.एससी. बी–एड प्रथम वर्ष परीक्षा 2022
आधार पाठ्यक्रम : सामान्य हिन्दी

नोट : यह प्रश्न–पत्र दो घण्टे की अवधि और 100 अंकों का होगा।

इकाई 1 – पाठ्य पुस्तक–गद्य मंजूषा : सम्पादक–प्रो.एन,के.पाण्डेय, प्रो.दीपेन्द्र सिंह जाडेजा प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, निर्धारित पाठ– स्वामी विवेकानन्द के पत्र (पत्र) दुनिया का अनमोल रतन (कहानी) प्रेमचन्द, मित्रता (निबंध), आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, कुटज (ललित निबंध) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, लघु जीवन (जीवनी) विष्णु प्रभाकर, गंगा : आविर्भाव और तिरोभाव (सांस्कृतिक निबंध) विद्यानिवास मिश्र, अग्नि की उड़ान का पुस्तक अंश (आत्मकथा), डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम, देवी स्थान के शिखर पर महादेवी (संस्मरण) निर्मल वर्मा (कुल आठ)

इकाई 2 – (क) वर्णों का वर्गीकरण – भेद प्रभेद, (ख) सन्धि (ग) समास
(घ) उपसर्ग – प्रत्यय (ङ) तत्सम– तद्भव (च) शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि

इकाई 3 – (क) संज्ञा और संज्ञा के विकारी तत्व–लिंग, वचन, कारक (ख) सर्वनाम (ग) विशेषण (घ) क्रिया और सहायक क्रिया–क्रिया, काल वृत्ति, पक्ष, वाच्य (ङ) अविकारी तत्व–क्रिया विशेषण, संबंध बोधक, समुच्चय बोधक, विस्मयादि बोधक, निपात (च) विराम–चिह्न

इकाई 4 – (क) अनेकार्थी शब्द (ख) युग्म शब्द (ग) वाक्यांश के लिए एक शब्द
(घ) पर्यायवाची शब्द (ङ) विलोम शब्द (च) मुहावरे–लोकोक्तियाँ

इकाई 5 – (क) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ (ख) मानक हिन्दी वर्णमाला तथा अंक, (ग) हिन्दी वर्तनी का मानक रूप (घ) कार्यालयी पत्र लेखन (ङ) कार्यालयी टिप्पणी (च) पारिभाषिक शब्दावली (कार्यालयी)

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

- प्रत्येक इकाई 20 अंक की होगी – 20X 5= 100 अंक
- प्रत्येक इकाई से एक–एक अंक के बीस बहुविकल्पात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे–

20X 5= 100

सहायक पुस्तकें–

हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीदास वाजपेयी
हिन्दी व्याकरण : कामताप्रसाद गुरु
हिन्दी का सामान्य ज्ञान : हरदेव बाहरी
आलेख –प्रारूप : शिवनारायण चतुर्वेदी
टिप्पणी– प्रारूप : शिवनारायण चतुर्वेदी
मानक हिन्दी वर्तनी तथा नागरी लिपि : वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली।

बी.ए.–बी.एड. बी.एससी. बी–एड प्रथम वर्ष परीक्षा 2022
आधार पाठ्यक्रम : सामान्य हिन्दी
बी.एससी. प्रथम वर्ष परीक्षा 2022

नोट : यह प्रश्न–पत्र दो घण्टे की अवधि और 100 अंकों का होगा।

इकाई 1 – पाठ्य पुस्तक–गद्य मंजूषा : सम्पादक–प्रो.एन,के.पाण्डेय, प्रो.दीपेन्द्र सिंह जाडेजा प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, निर्धारित पाठ– स्वामी विवेकानन्द के पत्र (पत्र) दुनिया का अनमोल रतन (कहानी) प्रेमचन्द, मित्रता (निबंध), आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, कुटज (ललित निबंध) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, लघु जीवन (जीवनी) विष्णु प्रभाकर, गंगा : आविर्भाव और तिरोभाव (सांस्कृतिक निबंध) विद्यानिवास मिश्र, अग्नि की उड़ान का पुस्तक अंश (आत्मकथा), डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम, देवी स्थान के शिखर पर महादेवी (संस्मरण) निर्मल वर्मा (कुल आठ)

इकाई 2 – (क) वर्णों का वर्गीकरण – भेद प्रभेद, (ख) सन्धि (ग) समास
(घ) उपसर्ग – प्रत्यय (ङ) तत्सम– तद्भव (च) शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि

इकाई 3 – (क) संज्ञा और संज्ञा के विकारी तत्व–लिंग, वचन, कारक (ख) सर्वनाम (ग) विशेषण (घ) क्रिया और सहायक क्रिया–क्रिया, काल वृत्ति, पक्ष, वाच्य (ङ) अविकारी तत्व–क्रिया विशेषण, संबंध बोधक, समुच्चय बोधक, विस्मयादि बोधक, निपात (च) विराम–चिह्न

इकाई 4 – (क) अनेकार्थी शब्द (ख) युग्म शब्द (ग) वाक्यां ा के लिए एक शब्द
(घ) पर्यायवाची शब्द (ङ) विलोम शब्द (च) मुहावरे–लोकोक्तियाँ

इकाई 5 – (क) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ (ख) मानक हिन्दी वर्णमाला तथा अंक, (ग) हिन्दी वर्तनी का मानक रूप (घ) कार्यालयी पत्र लेखन (ङ) कार्यालयी टिप्पणी (च) पारिभाषिक शब्दावली (कार्यालयी)

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

- प्रत्येक इकाई 20 अंक की होगी – 20X 5= 100 अंक
- प्रत्येक इकाई से एक–एक अंक के बीस बहुविकल्पात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे–

20X 5= 100

सहायक पुस्तकें–

हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीदास वाजपेयी
हिन्दी व्याकरण : कामताप्रसाद गुरु
हिन्दी का सामान्य ज्ञान : हरदेव बाहरी
आलेख –प्रारूप : शिवनारायण चतुर्वेदी
टिप्पणी– प्रारूप : शिवनारायण चतुर्वेदी
मानक हिन्दी वर्तनी तथा नागरी लिपि : वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली।

B.A(Hons) Hindi
Ist Year 2021

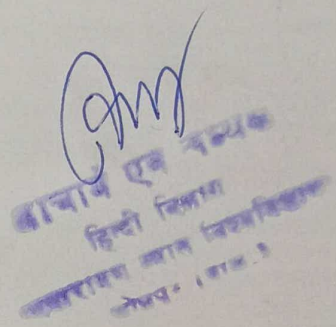

बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी प्रथम वर्ष, परीक्षा, 2022

इस परीक्षा में चार प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि और 100 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न–पत्र के अध्यापन के लिए 45–45 मिनट की अवधि के 6 कालांश होंगे।

प्रथम प्रश्न–पत्र : आदिकालीन काव्य
द्वितीय प्रश्न–पत्र : रीतिकालीन काव्य
तृतीय प्रश्न–पत्र : हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य–विधाएँ
चतुर्थ प्रश्न–पत्र : हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

प्रथम प्रश्नपत्र : आदिकालीन काव्य

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

इकाई 1 : पृथ्वीराज रासो (पद्मावती समय) : चन्दवरदायी : प्रधान संपा. मनोहर सिंह राणावत, संपा.कविराज मोहन सिंह , राजस्थानी ग्रंथागार , जोधपुर द्वितीय संशोधित सं. 2013

इकाई 2 : सन्देश रासक (द्वितीय प्रक्रम) : अब्दुल रहमान, संपा. हजारीप्रसाद द्विवेदी तथा विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

इकाई 3: चन्दायन : मुल्ला दाउद संपा. परमेश्वरीलाल गुप्त, प्रामाणिक प्रकाशन, लाजपत कुंज, आगरा (निर्धारित अंश – स्तुति, चन्दा की रूपचर्चा, चन्दा पर लोरिक का मुग्ध होना, चन्दा के प्रति लोरिक का आकर्षण, चन्दा और लोरिक की व्याकुलता, चन्दा–मैना संग्राम, चन्दा को साँप का डसना, मैना का वियोग–वर्णन = 8 खण्ड)

इकाई 4 : द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि : 1–नरपति नाल्ह 2–पुष्पदंत 3–गोरखनाथ

इकाई 5 : द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि : 1–सरहपा 2–विद्यापति 3–जगनिक

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10x2=20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित काव्यांशों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या तथा इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5x7=35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित कवियों से पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3x15=45 अंक

सहायक पुस्तकें

दशरथ ओझा : रास और रासान्वयी काव्य
हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिन्दी साहित्य का आदिकाल
हरिवंश कोछड़ : अपभ्रंश साहित्य
माताप्रसाद गुप्त : पृथ्वीराज रासो (भूमिका भाग)
राजमल वोरा : पृथ्वीराज रासो इतिहास और काव्य
विपिनबिहारी त्रिवेदी : महाकवि चन्दवरदायी और उनका काव्य
देवेन्द्रकुमार जैन शास्त्री : अपभ्रंश भाषा और साहित्य
देवेन्दकुमार जैन शास्त्री : अपभ्रंश प्रकाश
नामवरसिंह : हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग
राजेन्द्र गढ़वाली : चन्दायन की भाषा
तारकनाथ बाली : बीसलदेव रासो

आचार्य एवं अध्यक्ष
हिन्दी विभाग

बी.ए.(ऑनर्स) हिन्दी प्रथम वर्ष, परीक्षा 2022
द्वितीय प्रश्नपत्र : मध्यकालीन काव्य

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

पाठ्यपुस्तक : मध्यकालीन काव्य संग्रह : सं. केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
रीति काव्यधारा : सं. डॉ.रामचन्द्र तिवारी , डॉ.रामफेर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

इकाई– 1 : **महात्मा कबीरदास** : सम्पूर्ण कविताएँ
मतिराम : सम्पूर्ण कविताएँ

इकाई– 2 : **महात्मा सूरदास** : सम्पूर्ण कविताएँ
शेख आलम : सम्पूर्ण कविताएँ

इकाई– 3 : **गोस्वामी तुलसीदास** : सम्पूर्ण कविताएँ
ठाकुर : सम्पूर्ण कविताएँ

इकाई– 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि** : गुरु गोविंद सिंह , नंददास, रसखान

इकाई– 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि** : चिंतामणि, पद्माकर, जसवंत सिंह

प्रश्न एवं अंक–विभाजन
खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10x2=20 अंक
खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित काव्यांशों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5x7=35 अंक
खण्ड (ग) इकाई, एक, दो, तीन में निर्धारित कवियों से पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।
(शब्द सीमा 500 शब्द) 3x15=45 अंक

सहायक पुस्तकें
विश्वनाथप्रसाद मिश्र : भूषण
राजमल वोरा : भूषण और उनका साहित्य
नगेन्द्र : देव और उनकी कविता
विश्वनाथप्रसाद मिश्र : बोधा ग्रन्थावली
विजयपालसिंह : केशव की काव्यचेतना

विश्वनाथप्रसाद मिश्र : हिन्दी साहित्य का अतीत
मनोहर लाल गौड़ : रीतिमुक्त स्वच्छन्द काव्यधारा
रामबहोरी शुक्ल : काव्यप्रदीप
भक्ति का विकास : मुंशी राम शर्मा 'सोम'
हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय : पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
भक्तिकाल की सामाजिक सांस्कृतिक चेतना : प्रेमशंकर
सूर और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा
तुलसीकाव्य मीमांसा : उदयभानुसिंह
कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी

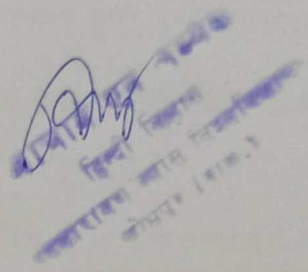

बी.ए.(ऑनर्स) हिन्दी, प्रथम वर्ष, परीक्षा 2022
तृतीय प्रश्न–पत्र : हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य– विधाएँ

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

1. **अजातशत्रु** : जयशंकर प्रसाद
2. **चेतना का संस्कार** : (सं0) डॉ0 विश्वनाथप्रसाद तिवारी, सदानन्द गुप्त, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. **प्रतिनिधि एकांकी संकलन** : (सं0) डॉ0 लक्ष्मीनारायण लाल, पीताम्बर पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली

इकाई 1 **अजातशत्रु** : जयशंकर प्रसाद

इकाई 2 **चेतना का संस्कार** : (**निर्धारित निबंध** – 'होली है' – प्रतापनारायण मिश्र, 'बनाम लार्ड कर्जन' – बालमुकुन्द गुप्त ,'श्रद्धा–भक्ति' – रामचन्द्र शुक्ल, 'अशोक के फूल' – हजारीप्रसाद द्विवेदी ,'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' – विद्यानिवास मिश्र (कुल पाँच)

इकाई 3 **प्रतिनिधि एकांकी संकलन**

इकाई 4 **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित गद्यकार** :
(1) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (2) महावीर प्रसाद द्विवेदी (3) सरदार पूर्ण सिंह

इकाई 5 **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित गद्यकार** :
(1) राहुल सांकृत्यायन (2) रामवृक्ष बेनीपुरी (3) शरद जोशी

<u>प्रश्न एवं अंक – विभाजन</u> :

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10x2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या, इकाई चार, पाँच में निर्धारित गद्यकारों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5x7=35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य कृतियों/कृतिकारों से पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3x15=45 अंक

<u>सहायक पुस्तकें :</u>

प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ शर्मा
प्रसाद की नाट्यकला : रामकृष्ण शुक्ल 'शिलीमुख'
हिन्दी निबन्ध का विकास : ओंकारनाथ शर्मा
हिन्दी के प्रमुख निबंधकार रचना और शिल्प : गणेश खरे
हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार
राहुल सांकृत्यायन : सृजन और संघर्ष : उर्मिलेश

बी.ए.(ऑनर्स) हिन्दी, प्रथम वर्ष, परीक्षा 2022
चतुर्थ प्रश्न–पत्र : हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

इकाई 1 : **हिन्दी भाषा**–हिन्दी की मूल आकर भाषाएँ–संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश का परिचय, विशेषताएँ। हिन्दी का उद्‌भव और विकास। हिन्दी और उसकी बोलियों का सामान्य परिचय।

इकाई 2 : **हिन्दी भाषा के विविध रूप**–बोलचाल की भाषा, राजभाषा, रचनात्मक भाषा, राष्ट्र भाषा, सम्पर्क भाषा, संचार भाषा।
हिन्दी का शब्द भण्डार–तत्सम, तद्‌भव, देशज, आगत शब्दावली। देवनागरी लिपि : उद्‌भव–विकास एवं मानक – रूप ।

इकाई 3 : **हिन्दी साहित्य का इतिहास**–आदिकाल–सीमांकन, नामकरण। परिस्थितियाँ, आदिकालीन साहित्य का वर्गीकरण, प्रमुख काव्यधाराओं का परिचय एवं वैशिष्ट्य, विशिष्ट रचनाकारों का सामान्य परिचय।

इकाई 4 : **भक्तिकाल**– सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन्तकाव्य, सूफी काव्य, रामभक्ति काव्य, कृष्णभक्ति काव्य धाराओं की प्रमुख काव्य–प्रवृत्तियाँ, । विशिष्ट रचनाकारों का सामान्य परिचय।
रीतिकाल–नामकरण, रीतिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ। प्रमुख रचनाकार।

इकाई 5 : **आधुनिक काल**–पृष्ठभूमि, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता की काव्य–प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ।
प्रमुख गद्य विधाओं–निबन्ध, नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी एवं आलोचना का उद्‌भव एवं विकास

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क)	प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द)	10x2=20 अंक
खण्ड (ख)	प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द)	5x7=35 अंक
खण्ड (ग)	प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जायेगा, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द)	3x15=45 अंक

सहायक पुस्तकें –

हिन्दी भाषा का इतिहास : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास : उदयनारायण तिवारी
हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : गुलाबराय
हिन्दी साहित्य का इतिहास : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

मैथिलीशरण गुप्त – भारत भारती, साकेत (नवग सर्ग)

जयशंकर प्रसाद –आँसू, कामायनी (श्रद्धा,लज्जा, इड़ा)

निराला– जूही की कली, जागो फिर एक बार, सरोज स्मृति, कुकुरमुत्ता, बाँधों न नाव इस ठाँव बंधु।

सुमित्रानंदन पंत– परिवर्तन, प्रथम रश्मि

महादेवी वर्मा– बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ मैं नीर भरी दुख की बदली, फिर विकल है प्राण मेरे, यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो, द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र

रामधारी सिंह दिनकर –उर्वशी (तृतीय अंक), रश्मिरथी

नागार्जुन – कालिदास, बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, खुरदरे पैर, शासन की बंदूक, मनुष्य हूँ

अज्ञेय – कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, हरी घास पर क्षण भर, असाध्यवीणा, कितनी नावों में कितनी बार

भवानी प्रसाद मिश्र– गीत फरोश, सतपुड़ा के जंगल

मुक्तिबोध – भूल गलती, ब्रह्मराक्षस, अँधेरे में

धूमिल– मोचीराम, अकाल दर्शन, रोटी और संसद

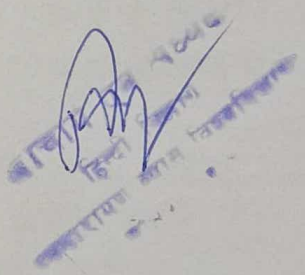

बी.ए.(आनर्स) द्वितीय वर्ष, परीक्षा 2023

प्रथम प्रश्न पत्र : अर्वाचीन हिन्दी काव्य

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।
निर्धारित पाठ्य पुस्तक–**आधुनिक काव्य– संग्रह** : सं0 रामवीरसिंह शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।

इकाई 1 : **मैथिलीशरण गुप्त** : निर्धारित काव्यांश – कैकेयी अनुताप, उर्मिला, यशोधरा
जयशंकर प्रसादः निर्धारित काव्यांश – आँसू, हे लाज भरे सौन्दर्य बता दो, ले चल वहाँ भुलावा देकर, अरुण यह मधुमय देश हमारा।

इकाई 2 : **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'** : निर्धारित काव्यांश – जूही की कली, संध्या सुंदरी, जागो फिर एक बार, भिक्षुक, विधवा।
सुमित्रानन्दन पंत – निर्धारित काव्यांश – नौका विहार, द्रुत झरो, वाणी, ताज, परिवर्तन।

इकाई 3 : **रामधारी सिंह 'दिनकर'** – निर्धारित काव्यांश – हिमालय, बालिका से वधू, गीत–अगीत, कुन्ती और कर्ण, बुद्धदेव
सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' – निर्धारित काव्यांश – कलगी बाजरे की, रात होते – प्रात होते, साँप के प्रति, यह दीप अकेला, छब्बीस जनवरी।

इकाई 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि** : (1) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(2) महादेवी वर्मा (3) माखनलाल चतुर्वेदी

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि** : (1) केदारनाथ अग्रवाल
(2) हरिवंशराय बच्चन (3) धर्मवीर भारती

प्रश्न एवं अंक–विभाजन :
खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द)
10ग2त्र20 अंक
खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित काव्यांशों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्याएँ। इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5ग7त्र35 अंक
खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित कवियों से पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3ग15त्र45 अंक

सहायक पुस्तकें :
आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ : डॉ0 नगेन्द्र
भारतीय संस्कृति के आख्याताः मैथिलीशरण गुप्त : उमाकान्त गोयल
कवि निराला : नन्ददुलारे वाजपेयी
छायावाद : नामवर सिंह
दिनकर के काव्य में राष्ट्रीय भावना : शिवकान्त गोस्वामी
अज्ञेय की कविता : चन्द्रकांत वांदिवडेकर
नया हिन्दी काव्य : शिवकुमार मिश्र

बी.ए.(आनर्स) हिन्दी द्वितीय वर्ष – 2023
द्वितीय प्रश्न पत्र– स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी काव्य

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक : आधुनिक काव्य–संग्रह : संपा. रामवीर सिंह , विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

इकाई–1 : गिरजाकुमार माथुर : निर्धारित काव्यांश – पन्द्रह अगस्त, आग और फूल, धूप का ऊन नार्गाजुन : निर्धारित काव्यांश – कालिदास, तर्पण, तुम किशोर तुम तरुण

इकाई –2 : गजानन माधव मुक्तिबोध : निर्धारित काव्यांश – दूर तारा, खोल आँखे, मृत्यु और कवि, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना : निर्धारित काव्यांश– सौन्दर्यबोध, सूखे पीले पत्तों ने कहा विवशता

इकाई – 3 : भवानी प्रसाद मिश्र : निर्धारित काव्यांश – लुहार से, गाँव , फरोश। शिवमंगलसिंह सुमन : निर्धारित काव्यांश– पथ भूल न जाना पथिक कहीं। परिचय, अपने कवि से

इकाई – 4 : द्रुत पाठ के लिए निर्धारित कवि – नरेन्द्र शर्मा, शमशेर बहादुर सिंह, रघुवीर सहाय

इकाई –5 : द्रुत पाठ के लिए निर्धारित कवि – धूमिल, दुष्यंत, अरूणकमल

प्रश्न एवं अंक–विभाजन :

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10x2=20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित काव्यांशों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्याएँ। इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5x7=35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित कवियों से पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3x15=45 अंक

सहायक पुस्तकें :

कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह

भवानीप्रसाद मिश्र की काव्ययात्रा : संतोष कुमार तिवारी

नई कविता : सीमाएँ और संभावनाएँ : गिरजाकुमार माथुर

नई कविता : युगबोध : मंजु दुबे

छायावादोत्तर हिन्दी काव्य : बदलते मानदण्ड एवं स्वरुप : कौशलनाथ उपाध्यय

नरेन्द्र शर्मा और उनका काव्य : लक्ष्मीनारायण शर्मा

आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्या प्रवृत्तियाँ : नगेन्द्र

बी.ए.(आनर्स) हिन्दी द्वितीय वर्ष – 2023
तृतीय प्रश्न पत्र– काव्यांग विवेचन एवं हिन्दी गद्य विधाओं का स्वरूप

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

इकाई 1 काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य–भेद।

इकाई 2 रस का स्वरूप, रस के अवयव–स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव। रस के भेदों का परिचय।

इकाई 3 **अलंकार**–सामान्य परिचय, निर्धारित अलंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, भ्रान्तिमान, सन्देह, उत्प्रेक्षा, दृष्टान्त, विरोधाभास, असंगति (कुल 12)

छन्द–सामान्य परिचय, निर्धारित छन्द–दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला, इन्द्रवज्रा, मन्दाक्रान्ता, उपेन्द्रवज्रा, मदिरा सवैया, मत्तगयन्द सवैया, दुर्मिल सवैया, मनहरण, देव घनाक्षरी (कुल 12)

इकाई 4 **काव्य–गुण**

काव्य-दोष–निर्धारित काव्य–दोष–श्रुतिकटुत्व, च्युतसंस्कृति, ग्राम्यत्व, अश्लीलत्व, अप्रतीतत्व, क्लिष्टत्व, न्यूनपदत्व, अधिक पदत्व, पुनरुक्तत्व, अक्रमत्व, दुष्क्रमत्व (कुल 11)

शब्द शक्तियाँ

इकाई 5 **गद्य विधाओं**–नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी, निबन्ध, आलोचना, संस्मरण, रेखाचित्र, आत्मकथा, जीवनी का स्वरूप एवं तात्विक विवेचन।

इकाई एवं अंक–विभाजन :

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द)

10x2= 20 अंक

खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5x7= 35 अंक

खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जायेगा, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे (शब्द सीमा 500 शब्द) 3x15=45 अंक

सहायक पुस्तकें :

सिद्धान्त और अध्ययन : गुलाब राय
काव्य प्रदीप : रामबहोरी शुक्ल
साहित्य रूप : शिवकरण सिंह
काव्य के रूप : गुलाब राय
हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी
काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र

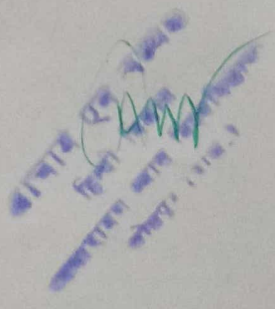

बी.ए.(आनर्स) हिन्दी द्वितीय वर्ष – 2023
चतुर्थ प्रश्न पत्र– प्रयोजनमुलक हिन्दी

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

इकाई – 1 : प्रयोजनमूलक हिन्दी का अभिप्राय और उसका क्षेत्र। हिन्दी के विविध रुप– राजभाषा के रूप में हिन्दी की स्थिति, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा। हिन्दी की सांविधानिक स्थिति।

इकाई –2 : कार्यालयी हिन्दी – पत्राचार – कार्यालयी पत्र, व्यावसायिक पत्र, व्यावहारिक पत्र, संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूपण एवं टिप्पणी।
हिन्दी कम्प्यूटिंग– कम्प्यूटर की रुपरेखा – हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर,उपयोग तथा क्षेत्र, इंटरनेट– अर्थ एवं संपर्क उपकरणों का परिचय।

इकाई –3 : पत्रकारिता– पत्रकारिता का स्वरुप और वर्तमान परिदृश्य, समाचार–लेखन, शीर्षकीकरण, पृष्ठविन्यास, सम्पादन–कला–प्रिंट मीडिया, कलेक्ट्रानिक मीडिया, फीचर–लेखन, पृष्ठसज्जा एवं प्रस्तुतीकरण।

इकाई –4 : मीडिया लेखन– संचार भाषा का स्वरूप और वर्तमान संचार–व्यवस्था, प्रमुख जनसंचार माध्यम–प्रेस, रेडियो, टी.वी., फिल्म, वीडियो तथा इंटरनेट, माध्यमोपयोगी लेखन–प्रविधि।

इकाई –5 : अनुवाद– स्वरूप एवं प्रक्रिया कार्यालयी अनुवाद, वैज्ञानिक अनुवाद, वाणिज्यिक अनुवाद, विधिक अनुवाद, पारिभाषिक शब्दावली, वेट्टिंग (पुनरीक्षण), आशु अनुवाद ।

इकाई एवं अंक–विभाजन :

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द)
10x2= 20 अंक

खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5x7= 35 अंक

खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जायेगा, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे (शब्द सीमा 500 शब्द) 3x15=45 अंक

सहायक पुस्तकें :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और उपयोग : दंगल झाल्टे
2. अनुवादर सिद्धांत की रूपरेखा : डॉ.सुरेश कुमार
3. अनुवाद विज्ञान : राजमणि शर्मा
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे
5. भाषा और प्रौद्योगिकी : विनोद प्रसाद
6. कम्प्यूटर के भाविक अनुप्रयोग : विजय कुमार मल्होत्रा
7. उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक : हर्ष देव
8. हिन्द पत्रकारिता : स्वरूप एवं संदर्भ : विनोद गोदरे
9. हिन्दी पत्रकारिता और जनसंचार : ठाकुरदत्त आलोक
10. प्रारूपण, टिप्पणी और प्रूफ पठन : भोलानाथ तिवारी

B.A.
Ist Year 2022
General Hindi

बी.ए. प्रथम वर्ष परीक्षा 2022

आधार पाठ्यक्रम : सामान्य हिन्दी

नोट : यह प्रश्न–पत्र दो घण्टे की अवधि और 100 अंकों का होगा।

इकाई 1 – पाठ्य पुस्तक–गद्य मंजूषा : सम्पादक–प्रो.एन,के.पाण्डेय, प्रो.दीपेन्द्र सिंह जाडेजा प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, निर्धारित पाठ– स्वामी विवेकानन्द के पत्र (पत्र) दुनिया का अनमोल रतन (कहानी) प्रेमचन्द, मित्रता (निबंध), आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, कुटज (ललित निबंध) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, लघु जीवन (जीवनी) विष्णु प्रभाकर, गंगा : आविर्भाव और तिरोभाव (सांस्कृतिक निबंध) विद्यानिवास मिश्र, अग्नि की उड़ान का पुस्तक अंश (आत्मकथा), डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम, देवी स्थान के शिखर पर महादेवी (संस्मरण) निर्मल वर्मा (कुल आठ)

इकाई 2 – (क) वर्णों का वर्गीकरण – भेद प्रभेद, (ख) सन्धि (ग) समास
(घ) उपसर्ग – प्रत्यय (ङ) तत्सम– तद्भव (च) शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि

इकाई 3 – (क) संज्ञा और संज्ञा के विकारी तत्व–लिंग, वचन, कारक (ख) सर्वनाम (ग) विशेषण (घ) क्रिया और सहायक क्रिया–क्रिया, काल वृत्ति, पक्ष, वाच्य (ङ) अविकारी तत्व–क्रिया विशेषण, संबंध बोधक, समुच्चय बोधक, विस्मयादि बोधक, निपात (च) विराम–चिह्न

इकाई 4 – (क) अनेकार्थी शब्द (ख) युग्म शब्द (ग) वाक्यांश के लिए एक शब्द
(घ) पर्यायवाची शब्द (ङ) विलोम शब्द (च) मुहावरे–लोकोक्तियाँ

इकाई 5 – (क) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ (ख) मानक हिन्दी वर्णमाला तथा अंक, (ग) हिन्दी वर्तनी का मानक रूप (घ) कार्यालयी पत्र लेखन (ङ) कार्यालयी टिप्पणी (च) पारिभाषिक शब्दावली (कार्यालयी)

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

- प्रत्येक इकाई 20 अंक की होगी – 20X 5= 100 अंक
- प्रत्येक इकाई से एक–एक अंक के बीस बहुविकल्पात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे–

20X 5= 100

सहायक पुस्तकें–

हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीदास वाजपेयी
हिन्दी व्याकरण : कामताप्रसाद गुरु
हिन्दी का सामान्य ज्ञान : हरदेव बाहरी
आलेख –प्रारूप : शिवनारायण चतुर्वेदी
टिप्पणी– प्रारूप : शिवनारायण चतुर्वेदी
मानक हिन्दी वर्तनी तथा नागरी लिपि : वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली।

बी.कॉम. प्रथम वर्ष परीक्षा 2022

आधार पाठ्यक्रम : सामान्य हिन्दी

नोट : यह प्रश्न–पत्र दो घण्टे की अवधि और 100 अंकों का होगा।

इकाई 1 – पाठ्य पुस्तक–गद्य मंजूषा : सम्पादक–प्रो.एन,के.पाण्डेय, प्रो.दीपेन्द्र सिंह जाडेजा प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, निर्धारित पाठ– स्वामी विवेकानन्द के पत्र (पत्र) दुनिया का अनमोल रतन (कहानी) प्रेमचन्द, मित्रता (निबंध), आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, कुटज (ललित निबंध) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, लघु जीवन (जीवनी) विष्णु प्रभाकर, गंगा : आविर्भाव और तिरोभाव (सांस्कृतिक निबंध) विद्यानिवास मिश्र, अग्नि की उड़ान का पुस्तक अंश (आत्मकथा), डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम, देवी स्थान के शिखर पर महादेवी (संस्मरण) निर्मल वर्मा (कुल आठ)

इकाई 2 – (क) वर्णों का वर्गीकरण – भेद प्रभेद, (ख) सन्धि (ग) समास
(घ) उपसर्ग – प्रत्यय (ङ) तत्सम– तद्भव (च) शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि

इकाई 3 – (क) संज्ञा और संज्ञा के विकारी तत्व–लिंग, वचन, कारक (ख) सर्वनाम (ग) विशेषण (घ) क्रिया और सहायक क्रिया–क्रिया, काल वृत्ति, पक्ष, वाच्य (ङ) अविकारी तत्व–क्रिया विशेषण, संबंध बोधक, समुच्चय बोधक, विस्मयादि बोधक, निपात (च) विराम–चिह्न

इकाई 4 – (क) अनेकार्थी शब्द (ख) युग्म शब्द (ग) वाक्यां ा के लिए एक शब्द
(घ) पर्यायवाची शब्द (ङ) विलोम शब्द (च) मुहावरे–लोकोक्तियाँ

इकाई 5 – (क) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ (ख) मानक हिन्दी वर्णमाला तथा अंक, (ग) हिन्दी वर्तनी का मानक रूप (घ) कार्यालयी पत्र लेखन (ङ) कार्यालयी टिप्पणी (च) पारिभाषिक शब्दावली (कार्यालयी)

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

- प्रत्येक इकाई 20 अंक की होगी – 20X 5= 100 अंक
- प्रत्येक इकाई से एक–एक अंक के बीस बहुविकल्पात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे–

20X 5= 100

सहायक पुस्तकें–

हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीदास वाजपेयी
हिन्दी व्याकरण : कामताप्रसाद गुरु
हिन्दी का सामान्य ज्ञान : हरदेव बाहरी
आलेख –प्रारूप : शिवनारायण चतुर्वेदी
टिप्पणी– प्रारूप : शिवनारायण चतुर्वेदी
मानक हिन्दी वर्तनी तथा नागरी लिपि : वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली।

बी.एससी. प्रथम वर्ष परीक्षा 2022

आधार पाठ्यक्रम : सामान्य हिन्दी

नोट : यह प्रश्न–पत्र दो घण्टे की अवधि और 100 अंकों का होगा।

इकाई 1 – पाठ्य पुस्तक–गद्य मंजूषा : सम्पादक–प्रो.एन,के.पाण्डेय, प्रो.दीपेन्द्र सिंह जाडेजा प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, निर्धारित पाठ– स्वामी विवेकानन्द के पत्र (पत्र) दुनिया का अनमोल रतन (कहानी) प्रेमचन्द, मित्रता (निबंध), आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, कुटज (ललित निबंध) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, लघु जीवन (जीवनी) विष्णु प्रभाकर, गंगा : आविर्भाव और तिरोभाव (सांस्कृतिक निबंध) विद्यानिवास मिश्र, अग्नि की उड़ान का पुस्तक अंश (आत्मकथा), डॉ.ए.पी.जे.अब्दुल कलाम, देवी स्थान के शिखर पर महादेवी (संस्मरण) निर्मल वर्मा (कुल आठ)

इकाई 2 – (क) वर्णों का वर्गीकरण – भेद प्रभेद, (ख) सन्धि (ग) समास
(घ) उपसर्ग – प्रत्यय (ङ) तत्सम– तद्भव (च) शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि

इकाई 3 – (क) संज्ञा और संज्ञा के विकारी तत्व–लिंग, वचन, कारक (ख) सर्वनाम (ग) विशेषण (घ) क्रिया और सहायक क्रिया–क्रिया, काल वृत्ति, पक्ष, वाच्य (ङ) अविकारी तत्व–क्रिया विशेषण, संबंध बोधक, समुच्चय बोधक, विस्मयादि बोधक, निपात (च) विराम–चिह्न

इकाई 4 – (क) अनेकार्थी शब्द (ख) युग्म शब्द (ग) वाक्यां I के लिए एक शब्द
(घ) पर्यायवाची शब्द (ङ) विलोम शब्द (च) मुहावरे–लोकोक्तियाँ

इकाई 5 – (क) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ (ख) मानक हिन्दी वर्णमाला तथा अंक, (ग) हिन्दी वर्तनी का मानक रूप (घ) कार्यालयी पत्र लेखन (ङ) कार्यालयी टिप्पणी (च) पारिभाषिक शब्दावली (कार्यालयी)

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

- प्रत्येक इकाई 20 अंक की होगी – 20X 5= 100 अंक
- प्रत्येक इकाई से एक–एक अंक के बीस बहुविकल्पात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे– 20X 5= 100

सहायक पुस्तकें–

हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीदास वाजपेयी
हिन्दी व्याकरण : कामताप्रसाद गुरु
हिन्दी का सामान्य ज्ञान : हरदेव बाहरी
आलेख –प्रारूप : शिवनारायण चतुर्वेदी
टिप्पणी– प्रारूप : शिवनारायण चतुर्वेदी
मानक हिन्दी वर्तनी तथा नागरी लिपि : वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली।

B.A.
Ist Year
IInd Year
&
Final Year
Hindi Litrature
2022

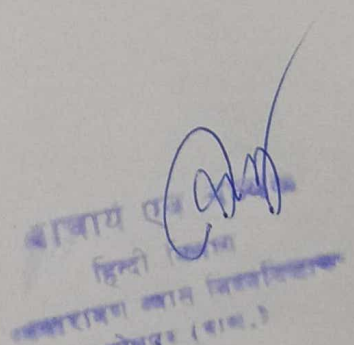

बी.ए. प्रथम वर्ष, परीक्षा 2022

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्र

प्राचीन हिन्दी काव्य

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक – मध्यकालीन कविता का पाठ – 1 (सं.) त्रिभुवननाथ शुक्ल, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

इकाई 1 : **कबीर** – निर्धारित काव्यांश – साखियाँ – सम्पूर्ण
जायसी – निर्धारित काव्यांश – सम्पूर्ण

इकाई 2 : **सूरदास** – निर्धारित काव्यांश – पद संख्या 23 से 52 तक
तुलसीदास – निर्धारित काव्यांश – सम्पूर्ण

इकाई 3 : **बिहारी**– निर्धारित काव्यांश – सम्पूर्ण
घनानन्द – निर्धारित काव्यांश – सम्पूर्ण

इकाई 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि** : 1–चन्दबरदाई 2– अमीर खुसरो 3– मीराँबाई

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि** : 1–रहीम 2–देव 3–भूषण

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द)
10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित काव्यांशों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या
इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणी परक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित कवियों से पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द)
3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

कबीर : विजयेन्द्र स्नातक
जायसी : एक नई दृष्टि : रघुवंश
महाकवि सूरदास : नन्ददुलारे वाजपेयी
बिहारी काव्य का अभिनव मूल्यांकन : किशोरीलाल
भूषण : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
तुलसीदास (परिवेश और प्रदेय) : सं. मदनगोपाल गुप्त
अमीर खुसरो और उनका हिन्दी साहित्य : भोलानाथ तिवारी
भक्तिकाव्य की परम्परा में मीराँ : रमा भार्गव

बी.ए. प्रथम वर्ष परीक्षा 2022

हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न–पत्र

हिन्दी कथा साहित्य

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें–

1. **गबन** – प्रेमचन्द
2. **कहानी एकादशी** – (सं.) डॉ. विजयलक्ष्मी, प्रगति संस्थान, दिल्ली

इकाई 1 : **गबन** – प्रेमचन्द

इकाई 2 : **कहानी एकादशी** – निर्धारित कहानियाँ– 'गुण्डा'–जयशंकर प्रसाद, 'पूस की रात'– प्रेमचन्द, 'पाजेब'–जैनेन्द्र कुमार, 'परदा'–यशपाल, 'रोज'–अज्ञेय (कुल पाँच)

इकाई 3 : **कहानी एकादशी** – निर्धारित कहानियाँ– 'लाल पान की बेगम'–फणीश्वरनाथ 'रेणु', 'पहाड़'–निर्मल वर्मा, 'अमृतसर आ गया है'–भीष्म साहनी, 'दिल्ली में एक मौत'–कमलेश्वर, 'वापसी'–उषा प्रियंवदा (कुल पाँच)

इकाई 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कथाकार**– 1. चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' 2. सुदर्शन 3.रांगेय राघव

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कथाकार**– 1. मोहन राकेश 2. मार्कण्डेय 3. राजेन्द्र यादव

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य कृतियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या
इकाई चार, पाँच में निर्धारित कथाकारों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणी परक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य कृतियों/कृतिकारों से पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

प्रेमचन्द और उनका युग : रामविलास शर्मा
हिन्दी कहानी; उद्भव और विकास : सुरेश सिन्हा
हिन्दी कहानी की शिल्प विधि का विकास : लक्ष्मी नारायण लाल
कहानी : प्रकृति और पाठ : सुरेन्द्र उपाध्याय
कहानी : स्वरूप और संवेदना : राजेन्द्र यादव
हिन्दी कहानी रचना प्रक्रिया : परमानन्द श्रीवास्तव

बी0ए0 द्वितीय वर्ष परीक्षा 2022

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्र

हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्फुट गद्य– विधाएँ

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. **ध्रुव स्वामिनी** : जयशंकर प्रसाद
2. **चेतना का संस्कार** : (सं0) डॉ0 विश्वनाथप्रसाद तिवारी, सदानन्द गुप्त, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. **प्रतिनिधि एकांकी संकलन** : (सं0) डॉ0 लक्ष्मीनारायण लाल, पीताम्बर पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली

इकाई 1 ध्रुव स्वामिनी : जयशंकर प्रसाद

इकाई 2 **चेतना का संस्कार** : **(निर्धारित निबंध)** – 'होली है' – प्रतापनारायण मिश्र, 'बनाम लार्ड कर्जन' – बालमुकुन्द गुप्त ,'श्रद्धा–भक्ति' – रामचन्द्र शुक्ल, 'अशोक के फूल' – हजारीप्रसाद द्विवेदी ,'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' – विद्यानिवास मिश्र (कुल पाँच)

इकाई 3 **प्रतिनिधि एकांकी संकलन**

इकाई 4 **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित गद्यकार** :
(1) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (2) महावीर प्रसाद द्विवेदी (3) सरदार पूर्ण सिंह

इकाई 5 **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित गद्यकार** :
(1) राहुल सांकृत्यायन (2) रामवृक्ष बेनीपुरी (3) शरद जोशी

<u>प्रश्न एवं अंक – विभाजन</u> :

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द)
10x2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या, इकाई चार, पाँच में निर्धारित गद्यकारों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणी परक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5x7=35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य कृतियों/कृतिकारों से पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे।
(शब्द सीमा 500 शब्द) 3x15=45 अंक

<u>सहायक पुस्तकें :</u>

प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ शर्मा
प्रसाद की नाट्यकला : रामकृष्ण शुक्ल 'शिलीमुख'
हिन्दी निबन्ध का विकास : ओंकारनाथ शर्मा
हिन्दी के प्रमुख निबंधकार रचना और शिल्प : गणेश खरे
हिन्दी एकांकी : सिद्धनाथ कुमार
राहुल सांकृत्यायन : सृजन और संघर्ष : उर्मिलेश

आचार्य एवं अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
...नारायण व्यास विश्वविद्यालय
जोधपुर (राज.)

बी0ए0 द्वितीय वर्ष परीक्षा 2022

हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न–पत्र

हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

इकाई 1 : **हिन्दी भाषा**–हिन्दी की मूल आकर भाषाएँ–संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश का परिचय, विशेषताएँ। हिन्दी का उद्‌भव और विकास। हिन्दी और उसकी बोलियों का सामान्य परिचय।

इकाई 2 : **हिन्दी भाषा के विविध रूप**–बोलचाल की भाषा, राजभाषा, रचनात्मक भाषा, राष्ट्र भाषा, सम्पर्क भाषा, संचार भाषा।
हिन्दी का शब्द भण्डार–तत्सम, तद्‌भव, देशज, आगत शब्दावली। देवनागरी लिपि : उद्‌भव–विकास एवं मानक – रूप ।

इकाई 3 : **हिन्दी साहित्य का इतिहास**–आदिकाल–सीमांकन, नामकरण। परिस्थितियाँ, आदिकालीन साहित्य का वर्गीकरण, प्रमुख काव्यधाराओं का परिचय एवं वैि ाष्ट्य, विशिष्ट रचनाकारों का सामान्य परिचय।

इकाई 4 : **भक्तिकाल**– सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन्तकाव्य, सूफी काव्य, रामभक्ति काव्य, कृष्णभक्ति काव्य धाराओं की प्रमुख काव्य–प्रवृत्तियाँ। विशिष्ट रचनाकारों का सामान्य परिचय।
रीतिकाल–नामकरण, रीतिकालीन काव्य की प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ। प्रमुख रचनाकार।

इकाई 5 : **आधुनिक काल**–पृष्ठभूमि, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता की काव्य–प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ।
प्रमुख गद्य विधाओं–निबन्ध, नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी एवं आलोचना का उद्‌भव एवं विकास

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क)	प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द)	10x2=20 अंक
खण्ड (ख)	प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणी परक प्र न (शब्द सीमा 250 शब्द)	5x7=35 अंक
खण्ड (ग)	प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जायेगा, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द)	3x15=45 अंक

सहायक पुस्तकें –

हिन्दी भाषा का इतिहास : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास : उदयनारायण तिवारी
हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : गुलाबराय
हिन्दी साहित्य का इतिहास : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

बी0ए0 अन्तिम वर्ष – 2022
हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न–पत्र
अर्वाचीन हिन्दी काव्य

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक–आधुनिक काव्य–संग्रह : सं0 रामवीरसिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।

इकाई 1 : **मैथिलीशरण गुप्त** : निर्धारित काव्यांश– कैकेयी अनुताप, उर्मिला, यशोधरा
जयशंकर प्रसादः निर्धारित काव्यांश – आँसू, हे लाज भरे सौन्दर्य बता दो, ले चल वहाँ भुलावा देकर, अरुण यह मधुमय देश हमारा।

इकाई 2 : **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'** : निर्धारित काव्यांश – जूही की कली, संध्या सुंदरी, जागो फिर एक बार, भिक्षुक, विधवा।
सुमित्रानन्दन पंत – निर्धारित काव्यांश – नौका विहार, द्रुत झरो, वाणी, ताज, परिवर्तन।

इकाई 3 : **रामधारी सिंह 'दिनकर'** – निर्धारित काव्यांश – हिमालय, बालिका से वधू, गीत–अगीत, कुन्ती और कर्ण, बुद्धदेव ।
सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' – निर्धारित काव्यांश – कलगी बाजरे की, रात होते – प्रात होते, साँप के प्रति, यह दीप अकेला, छब्बीस जनवरी।

इकाई 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि** : (1) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (2) महादेवी वर्मा (3) माखनलाल चतुर्वेदी

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि** : (1) केदारनाथ अग्रवाल (2) हरिवं ाराय बच्चन (3) धर्मवीर भारती

प्रश्न एवं अंक–विभाजन :
खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द)
10x2=20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित काव्यां ाों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या ।
इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणी परक प्रश्न
(शब्द सीमा 250 शब्द) 5x7=35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित कवियों से पाँच आलोचनात्मक प्र न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3x15=45 अंक

सहायक पुस्तकें :
आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ : डॉ0 नगेन्द्र
भारतीय संस्कृति के आख्याताः मैथिलीशरण गुप्त : उमाकान्त गोयल
कवि निराला : नन्ददुलारे वाजपेयी
छायावाद : नामवर सिंह
दिनकर के काव्य में राष्ट्रीय भावना : शिवकान्त गोस्वामी
अज्ञेय की कविता : चन्द्रकांत वांदिवडेकर
नया हिन्दी काव्य : शिवकुमार मिश्र

बी0ए0 अन्तिम वर्ष – 2022
हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न–पत्र
काव्यांग विवेचन एवं हिन्दी गद्य विधाओं का स्वरूप

नोट : यह प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि एवं 100 अंकों का होगा।

इकाई 1 काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य–भेद।

इकाई 2 रस का स्वरूप, रस के अवयव–स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव। रस के भेदों का परिचय।

इकाई 3 **अलंकार** : सामान्य परिचय, निर्धारित अलंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, भ्रान्तिमान, सन्देह, उत्प्रेक्षा, दृष्टान्त, विरोधाभास, असंगति (कुल 12)
छन्द : सामान्य परिचय, निर्धारित छन्द–दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला, इन्द्रवज्रा, मन्दाक्रान्ता, उपेन्द्रवज्रा, मदिरा सवैया, मत्तगयन्द सवैया, दुर्मिल सवैया, मनहरण, देव घनाक्षरी (कुल 12)

इकाई 4 **काव्य–गुण**
काव्य-दोष : निर्धारित काव्य–दोष–श्रुतिकटुत्व, च्युतसंस्कृति, ग्राम्यत्व, अ लीलत्व, अप्रतीतत्व, क्लिष्टत्व, न्यूनपदत्व, अधिकपदत्व, पुनरुक्तत्व, अक्रमत्व, दुष्क्रमत्व (कुल 11)
शब्द शक्तियाँ

इकाई 5 **गद्य विधाओं** – नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी, निबन्ध, आलोचना, संस्मरण, रेखाचित्र, आत्मकथा, जीवनी का स्वरूप एवं तात्विक विवेचन।

इकाई एवं अंक–विभाजन :

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10x2= 20 अंक

खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणी परक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5x7= 35 अंक

खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जायेगा, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे (शब्द सीमा 500 शब्द) 3x15= 45 अंक

सहायक पुस्तकें :

सिद्धान्त और अध्ययन : गुलाब राय
काव्य प्रदीप : रामबहोरी शुक्ल
साहित्य रूप : शिवकरण सिंह
काव्य के रूप : गुलाब राय
हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी
काव्य ाास्त्र : भगीरथ मिश्र

M.A.Final Hindi
Annual Scheme 2022

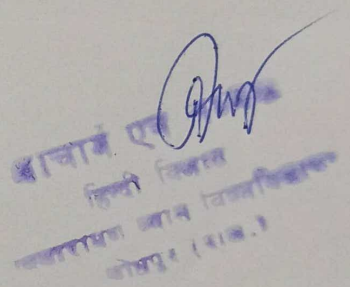

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2022

वार्षिक

इस वार्षिक परीक्षा में पाँच लिखित प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि और 100 अंकों का होगा। पूर्णांक 500 होंगे।

अनिवार्य प्रश्न–पत्र :

प्रथम प्रश्न–पत्र : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
द्वितीय प्रश्न–पत्र : भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा
तृतीय प्रश्न–पत्र : प्रयोजनमूलक हिन्दी

वैकल्पिक प्रश्न–पत्र :

चतुर्थ प्रश्न–पत्र : वैकल्पिक प्रश्न–पत्र (कोई एक)

(क) भक्तिकाल
(ख) छायावादोत्तर काव्य
(ग) हिन्दी उपन्यास

पंचम प्रश्न–पत्र : वैकल्पिक प्रश्न–पत्र (कोई एक)

(क) लोक साहित्य
(ख) भारतीय साहित्य
(ग) नवविमर्श

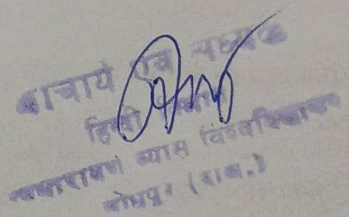

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2022 (वार्षिक पद्धति)

प्रथम प्रश्न–पत्र

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

इकाई 1 : **संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो** (सं.), हजारीप्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह
(निर्धारित अंश–शशिव्रता विवाह प्रस्ताव)
कबीर ग्रन्थावली–(सं.) श्यामसुन्दरदास
निर्धारित अंश–

गुरुदेव कौ अंग, साखी 1, 2, 6, 9, 11, 22, 24, 28, 30, 31	= 10
सुमिरन कौ अंग, साखी 1, 5, 7, 9, 27, 32	= 6
विरह कौ अंग, साखी 8, 18, 20, 23, 30, 32, 35, 44	= 8
ग्यान विरह कौ अंग, साखी 3, 4, 6, 7, 8, 10	= 6
परचा कौ अंग, साखी 1, 3, 4, 8, 9, 17, 22, 23, 39, 45	= 10
लै कौ अंग, साखी 1, 2, 3	= 3
निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग, साखी 1, 2, 4, 5, 7, 16, 17	= 7
	कुल 50 साखी

पद संख्या – 1, 7, 8, 10, 11, 16, 23, 32, 39, 40, 43, 55, 64, 69, 70,
= कुल 15 पद

इकाई 2 : **पद्मावत**–जायसी (सं.) वासुदेवशरण अग्रवाल (निर्धारित अंश–सिंहलद्वीप वर्णन खण्ड, नखशिख खण्ड)
भ्रमरगीत सार–सूरदास (सं.) रामचन्द्र शुक्ल (निर्धारित अंश–पद संख्या 51 से 100 तक)

इकाई 3 : **रामचरितमानस**–तुलसीदास, गीताप्रेस, गोरखपुर (निर्धारित अंश–उत्तरकांड, दोहा संख्या 36 से 86 तक)
घनआनन्द–कवित्त–(सं.) विश्वनाथप्रसाद मिश्र (निर्धारित अंश–प्रथम 50 छंद)

इकाई 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि**– 1. सरहपाद 2. गोरखनाथ 3. हेमचन्द्र 4. विद्यापति 5. मीराँबाई

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि**– 1. रहीम 2. रसखान 3. केशवदास 4. बिहारी 5. गुरु गोविन्द सिंह

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या तथा इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न
(शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों /कवियों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

पृथ्वीराज रासो की भाषा : नामवरसिंह
कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
जायसी ग्रंथावली (भूमिका) : रामचन्द्र शुक्ल
सूर और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा
तुलसीकाव्य मीमांसा : उदयभानुसिंह
घनानन्द काव्यवैभव : मनोहरलाल गौड़
सिद्ध–साहित्य : धर्मवीर भारती
नाथ सम्प्रदाय : हजारीप्रसाद द्विवेदी
विद्यापति : शिव प्रसाद सिंह
मीरा : जीवन और काव्य : सी.एल. प्रभात
रसखान और उनका काव्य : चन्द्रशेखर पाण्डेय
केशव की काव्य चेतना : विजयपाल सिंह
बिहारी : विश्वनाथप्रसाद मिश्र

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2022 (वार्षिक पद्धति)

द्वितीय प्रश्न–पत्र

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

इकाई 1 : भाषा और भाषा विज्ञान–भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण।
भाषा विज्ञान : स्वरूप एवं व्याप्ति, अंग, अध्ययन की दिशाएँ– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई 2 स्वन प्रक्रिया–स्वन एवं ध्वनि विज्ञान का स्वरूप, स्वन एवं स्वनिम की अवधारणा, वाग्यंत्र और उनके कार्य, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएँ। स्फोट एवं ध्वनि। रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद–मुक्त–आबद्ध, अर्थदर्शी और सम्बन्धदर्शी, सम्बन्ध दर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य।

इकाई 3 : वाक्य की अवधारणा, वाक्य–परिवर्तन के कारण और दिशाएँ, वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण, निकटस्थ अवयव–विश्लेषण, गहन–संरचना और बाह्य संरचना।
अर्थ–विज्ञान–अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ–परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

इकाई 4 : हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि–प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ–वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ–पालि, प्राकृत तथा अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण। हिन्दी का भौगोलिक विस्तार–हिन्दी की उपभाषाएँ–पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ।

इकाई 5 : हिन्दी का भाषिक स्वरूप–हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था–खण्ड्य, खण्ड्येतर। हिन्दी शब्द रचना–उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूप रचना–लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया–रूप। हिन्दी वाक्य–रचना–पदक्रम और अन्विति। देवनागरी लिपि–उद्‌भव और विकास, विशेषताएँ।

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द)
10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से एक–एक विकल्प सहित (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द)
5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

भाषा (ब्लूमफील्ड) : (अनु.) विश्वनाथ प्रसाद
भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा
भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
आधुनिक भाषाविज्ञान : राजमणि शर्मा
हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास : उदयनारायण तिवारी
हिन्दी भाषा : भोलानाथ तिवारी
भाषा और हिन्दी भाषा का इतिहास : नरेश मिश्र
हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी
भाषा का समाजशास्त्र : राजेन्द्र प्रसाद सिंह

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2022 (वार्षिक पद्धति)

तृतीय प्रश्न–पत्र

प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई 1 – प्रयोजनमूलक हिन्दी से अभिप्राय और उसकी परिव्याप्ति। हिन्दी के विविध रूप – सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम भाषा, संचार भाषा। हिन्दी की सांविधानिक स्थिति – अनुच्छेद 343 से 351, राजभाषा अधिनियम 1963 (यथा संशोधित 1967), राजभाषा संकल्प 1968 (यथानुमोदित 1991), राजभाषा नियम 1976 । हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि का मानकीकरण।

इकाई 2 – कार्यालयी हिन्दी के प्रमुख प्रकार्य – प्रारूपण– पत्रलेखन , टिप्पणी, संक्षेपण, पल्लवन। पारिभाषिक शब्दावली – स्वरूप एवं महत्त्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धान्त, कार्यालयी एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग।

इकाई 3 – हिन्दी में माध्यमोपयोगी लेखन – मुद्रित माध्यम (समाचार पत्र)– समाचार लेखन। श्रव्य माध्यम (रेडियो) – समाचार लेखन एवं वाचन, उद्घोषणा लेखन, रेडियो नाटक। दृश्य – श्रव्य माध्यम (टेलीविजन) –दृश्य एंव श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वायस ओवर), साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तरण। विज्ञापन लेखन। न्यू मीडिया लेखन ।

इकाई 4 – हिन्दी कम्प्यूटिंग – कम्प्यूटर– परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र। वर्ड प्रोसेसिंग, डाटा प्रोसेसिंग,फॉण्ट प्रबन्धन।
इंटरनेट–सम्पर्क उपकरणों का परिचय,वेब पब्लिशिंग, ई–मेल भेजना/प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउन लोडिंग व अपलोडिंग। हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज। हिन्दी कम्प्यूटर टाइप की विधियाँ ।

इकाई 5 – अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र , प्रक्रिया एवं परिधि। कार्यालयी अनुवाद। वैज्ञानिक अनुवाद। विधिक अनुवाद। वाणिज्यिक अनुवाद। पुनरीक्षण (वैट्टिंग)। आशु अनुवाद।

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो– दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न
(शब्द सीमा 30 शब्द) 10X 2= 20 अंक

खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्रश्न
(शब्द सीमा 250 शब्द) 5X 7= 35 अंक

खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक (कुल पाँच) आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3X 15= 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

प्रयोजनमूलक हिन्दी – नसीम–ए–आजाद
प्रयोजनपरक हिन्दी – विजय कुलश्रेष्ठ
प्रशासन में राजभाषा हिन्दी – कैलाशचन्द्र भाटिया
प्रशासनिक शब्दावली (अंग्रेजी–हिन्दी) – वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली
मीडिया लेखन और जनसंचार – मुश्ताक अली
कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
अनुवाद : समस्याएँ और संदर्भ – गजानन चह्वाण
अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा – सुरेश कुमार

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2022 (वार्षिक पद्धति)
चतुर्थ प्रश्न–पत्र
वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

(क) भक्तिकाल

इकाई 1 : **रैदास जी की बानी**–बेलवीडियर प्रिण्टिंग वर्क्स, इलाहाबाद (निर्धारित अंश–प्रथम 25 पद)
मधुमालती–मंझन, (सं.) माताप्रसाद गुप्त (निर्धारित अंश–छन्द संख्या 26 से 50 तक)
इकाई 2 : **रास पंचाध्यायी**–नन्ददास, (सं.) उदयनारायण तिवारी (निर्धारित अंश–द्वितीय अध्याय)
रामचन्द्रिका–केशवदास, (सं.) लाला भगवानदीन (निर्धारित अंश–सातवाँ प्रकाश)
इकाई 3 : **मीराँ मुक्तावली**–(सं.) नरोत्तमदास स्वामी (निर्धारित अंश–प्रथम 25 पद)
रसखानि–(सं.) विश्वनाथप्रसाद मिश्र (निर्धारित अंश–प्रारम्भ के 25 छन्द)
इकाई 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि**– 1. कबीर 2. दादू 3. सुन्दरदास 4. सहजोबाई 5. मुल्ला दाउद
इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि**– 1. जायसी 2. सूरदास 3. हित हरिवंश 4. तुलसीदास 5. गुरु नानकदेव

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या
इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों/कवियों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

भक्ति का विकास : मुंशीराम शर्मा
हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय : पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
भक्तिकाल की सामाजिक–सांस्कृतिक चेतना : प्रेमशंकर
वैष्णव भक्ति आन्दोलन का अध्ययन : मलिक मोहम्मद
नन्ददास : विचारक, रसिक, कलाकार : रूपनारायण
केशव की काव्यकला : कृष्णशंकर शुक्ल
मीराँ : जीवनवृत्त एवं काव्य : कल्याणसिंह शेखावत
कबीर : एक नई दृष्टि : रघुवंश
सूरदास : मैनेजर पाण्डेय
गोसाईं तुलसीदास : विश्वनाथप्रसाद मिश्र
मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य : शिवसहाय पाठक
संत दादू और उनका काव्य : भगवत मिश्र
सुन्दरदास : त्रिलोकीनारायण दीक्षित

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2022 (वार्षिक पद्धति)

चतुर्थ प्रश्न–पत्र

वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

(ख) छायावादोत्तर काव्य

इकाई 1 : **प्रवाद पर्व**–नरेश मेहता

अन्धायुग–धर्मवीर भारती

इकाई 2 : **कुछ और कविताएँ**–शमशेर बहादुर सिंह (निर्धारित कविताएँ–बात बोलेगी, सूरज उगाया जाता, ऐसा ही प्रण, धूप कोठरी के आईने में खड़ी, घिर गया है समय का रथ, लौट आ ओ धार, हार–हार समझा मैं, टूटी हुई बिखरी हुई, मूँद लो आँखें, सींग और नाखून = कुल 10)

कोई दूसरा नहीं–कुँवर नारायण (निर्धारित कविताएँ–उत्क्रेन्द्रित, अब की अगर लौटा तो, दुनिया को बड़ा रखने की कोशिश, सम्मेदीन की लड़ाई, यह कैसी विवशता है, एक दूसरे से कटकर, यकीनों की जल्दबाजी से, कविता , कविता की जरूरत , स्पष्टीकरण = कुल 10)

इकाई 3 :**संसद से सड़क तक**–धूमिल (निर्धारित कविताएँ–अकालदर्शन, मोचीराम, प्रौढ़ शिक्षा, कवि 1970, पटकथा = कुल 5)

कल सुनना मुझे–धूमिल (निर्धारित कविताएँ–रोटी और संसद, अन्तर, दूसरे का घर, मैं हूँ, कविता के द्वारा हस्तक्षेप = कुल 5)

साये में धूप – दुष्यंत कुमार।

इकाई 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि**– 1. शिवमंगल सिंह 'सुमन' 2. त्रिलोचन शास्त्री 3. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना 4. गिरिजाकुमार माथुर 5. रघुवीर सहाय

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित कवि**– 1. श्रीकांत वर्मा 2. भवानीप्रसाद मिश्र 3. केदारनाथ सिंह 4. अरुण कमल 5. राजेश जोशी

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द)10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या तथा इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों/कवियों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

नयी कविता : सीमाएँ और सम्भावनाएँ : गिरिजाकुमार माथुर

समकालीन कविता : सुन्दरलाल कथूरिया

समकालीन कविता का व्याकरण : परमानन्द श्रीवास्तव

कवियों का कवि शमशेर : रंजना अरगड़े

रघुवीरसहाय का कविकर्म :सुरेश शर्मा

धूमिल और उनका काव्य संघर्ष : ब्रह्मदेव मिश्र

क्योंकि रचना बोलती है : कौशलनाथ उपाध्याय

हिन्दी ग़ज़ल के विविध आयाम : सरदार मुजावर

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2022 (वार्षिक पद्धति)

चतुर्थ प्रश्न–पत्र

वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

(ग) हिन्दी उपन्यास

इकाई 1 : **बाणभट्ट की आत्मकथा**–हजारीप्रसाद द्विवेदी
मृगनयनी–वृन्दावनलाल वर्मा

इकाई 2 : **शेखर एक जीवनी** (भाग 1 व 2)–अज्ञेय
तमस–भीष्म साहनी

इकाई 3 : **कब तक पुकारूँ**–रांगेय राघव
आपका बंटी–मन्नू भंडारी

इकाई 4 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित उपन्यासकार**– 1. लाला श्रीनिवासदास 2. प्रेमचन्द 3.चतुरसेन शास्त्री 4. भगवतीचरण वर्मा 5. अमृतलाल नागर

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित उपन्यासकार**– 1. श्रीलाल शुक्ल 2. शिवप्रसाद सिंह 3. राही मासूम रजा 4. कृष्णा सोबती 5. चित्रा मुद्गल

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित उपन्यासों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या
इकाई चार, पाँच में निर्धारित उपन्यासकारों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित उपन्यासों/उपन्यासकारों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

उपन्यास का स्वरूप : सुषमा प्रियदर्शिनी
हिन्दी उपन्यास : बदलते संदर्भ : शशिभूषण सिंहल
हिन्दी के आंचलिक उपन्यास : सिद्धान्त और समीक्षा : बंशीधर
अज्ञेय की उपन्यास यात्रा : अरविन्दाक्षन
प्रेमचन्द की भाषा : कौशलनाथ उपाध्याय
हिन्दी उपन्यास : संबंधों के विविध आयाम : श्रवणकुमार मीणा

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2022 (वार्षिक पद्धति)

पंचम प्रश्न–पत्र

वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

नोट : निम्नलिखित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न–पत्र का चयन करना होगा।

(क) लोकसाहित्य

इकाई 1 : लोक और लोकवार्ता, लोकमानस और लोकतत्त्व। लोकसंस्कृति–अवधारणा, लोकवार्ता और लोकसंस्कृति, लोकसंस्कृति और साहित्य।
लोकसाहित्य–अवधारणा, लोकसाहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध। लोक साहित्य के विशिष्ट अध्येता। लोकसाहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएँ, लोक साहित्य के अध्ययन के सम्प्रदाय–पाश्चात्य एवं भारतीय।

इकाई 2 : लोकसाहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण–लोकगीत, लोक–नाट्य, लोककथा, लोकगाथा, लोकोक्ति साहित्य–परिभाषा एवं वर्गीकरण।
लोकगीत–संस्कार गीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत।
लोकनाट्य–रामलीला, स्वांग, यक्षगान, भवाई, माच, तमाशा, नौटंकी, जात्रा, कथकली।

इकाई 3 : लोककथा–व्रतकथा, परीकथा, नागकथा, बोधकथा। कथानक रूढ़ियाँ एवं अभिप्राय, लोककथा निर्माण में अभिप्राय (MOTIF)।
लोकगाथा–लोकगाथा की भारतीय परम्परा, लोकगाथा की सामान्य प्रवृत्तियाँ, लोकगाथा प्रस्तुति, प्रसिद्ध लोकगाथाएँ–ढोला–मारू, गोपीचन्द–भरथरी, लोरिकायन, नल–दमयन्ती, लैला–मजनूँ, हीर–राँझा, सोहनी–महीवाल।
लोकोक्ति साहित्य–पहेलियाँ, कहावतें।

इकाई 4 : राजस्थानी लोकगीत–वर्गीकरण एवं प्रतिपाद्य, राजस्थानी लोकगीतों में निरूपित संस्कृति।
राजस्थानी लोककथा–वर्गीकरण, छोगे एवं बात बणाव।
राजस्थानी लोकगाथा–वर्गीकरण, प्रमुख लोकगाथाओं–पाबूजी री पड़, बगड़ावत, वीर तेजा, भारत का परिचय।

इकाई 5 : राजस्थानी लोकनाट्य–विविध रूपों–ख्याल, तमाशा, स्वाँग, नौटंकी, तुर्राकलंगी, रम्मत का परिचयात्मक अध्ययन।
राजस्थानी लोकनृत्य–घूमर, अग्निनृत्य, चरीनृत्य, तेराताली, डाण्डिया–गेर।
राजस्थानी लोकवाद्य।
राजस्थानी लोक कलाएँ–माण्डणा, मेहँदी, पटचित्र, भित्तिचित्र।
राजस्थानी लोकोत्सव।
राजस्थानी लोक–संस्कृति का स्वरूप एवं वैशिष्ट्य।

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) — 10 X 2 = 20 अंक
खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) — 5 X 7 = 35 अंक
खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जाएगा, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) — 3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

लोकसाहित्य विज्ञान : सत्येन्द्र
लोकसाहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय
लोकसाहित्य का अध्ययन : त्रिलोचन पाण्डेय
लोकधर्मी नाट्य परम्परा : श्याम परमार
भारतीय लोकसाहित्य की रूपरेखा : दुर्गा भागवत
हिन्दी साहित्य का वृहद् इतिहास : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी (16वाँ खण्ड)
संस्कृति के चार अध्याय : रामधारीसिंह 'दिनकर'
राजस्थानी लोकसाहित्य के अध्ययन के आयाम : रामप्रसाद दाधीच
राजस्थानी लोकगाथा : एक अध्ययन : कृष्ण कुमार शर्मा
राजस्थानी लोकसाहित्य : नानूराम संस्कर्ता
लोकगीत की सत्ता : सुरेश गौतम

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2022 (वार्षिक पद्धति)

पंचम प्रश्न–पत्र

वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

(ख) भारतीय साहित्य

इकाई 1 : **पांचाली शपथम्** (खंडकाव्य–तमिल)–सुब्रह्मण्य भारती, रूपांतरकार –नागेश्वर सुन्दरम्, विश्वनाथ सिंह 'विश्वासी', ग्रंथ सदन, दिल्ली, प्रथम संस्करण–2007

ख्वाब का दर बन्द है (काव्य– उर्दू) – शहरयार, निर्धारित अंश (केवल ग़ज़ल) साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण–1996

इकाई 2 : **अग्निगर्भ** (उपन्यास–बंगला) – महाश्वेता देवी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, दूसरा संस्करण–2008

मृत्युंजय (उपन्यास–असमिया)–वीरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य, अनुवादक – डॉ0 कृष्णप्रसाद सिंह मागध, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली संस्करण – 2003

इकाई 3 : **घासीराम कोतवाल** (नाटक–मराठी) – विजय तेन्दुलकर, अनुवादक – वसंत देव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, पहली आवृत्ति– 2008

तीसरा प्राणी (कहानी संग्रह – ओड़िया) – मनोजदास, अनुवादक – श्रवण कुमार, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली प्रथम संस्करण–1992 (निर्धारित कहानियाँ– खोयी हुई टोपी का रहस्य , वापसी, वह नाजुक पौधा, जुड़वाँ, साक्षात्कार, वह शाम, तीसरा प्राणी, मन का ज्ञान, वीराना, सहानुभूति = कुल दस)

इकाई 4 : **पाठ्य विषय** – भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब, भारतीय साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति, भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता।

इकाई 5 : **दुतपाठ हेतु निर्धारित रचनाकार** – 1. वीरेश लिंगम् पंतुलु (तेलुगु) 2. गिरीश कर्नाड (कन्नड़), 3. के.जी. शंकर पिल्लै (मलयालम), 4. कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी (गुजराती), 5. पाश (पंजाबी)

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य कृतियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या तथा इकाई चार, पाँच में से निर्धारित पाठ्य विषयों तथा रचनाकारों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन, चार में निर्धारित कृतियों/कृतिकारों/पाठ्य विषयों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें –

भारतीय साहित्य – भोलाशंकर व्यास
भारतीय साहित्य – (सं0) नगेन्द्र
भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – रामविलास शर्मा
भारतीय साहित्य – रामछबीला त्रिपाठी
भारतीय साहित्य – मूलचन्द गौतम
तमिल साहित्य : एक झाँकी – एम. शेषन्
तमिल नवजागरण और सुब्रह्मण्य भारती – एम. शेषन
कन्नड़ साहित्य का इतिहास – एस. मुगली (अनुवादक) सिद्ध गोपाल
मलयालम साहित्य का इतिहास – पी.के. परमेश्वरन नायर (अनुवादक) सी.आर. नानप्पा
बंगला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन (अनुवादक) – निर्मला जैन

एम.ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध, परीक्षा 2022 (वार्षिक पद्धति)

पंचम प्रश्न–पत्र

वैकल्पिक प्रश्न–पत्र

(ग) नव विमर्श

इकाई 1 : **गिलीगडु** – चित्रा मुद्गल,सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली ।
नई सदी की पहचान : श्रेष्ठ महिला कथाकार –– सम्पादक– ममता कालिया,लोक भारती प्रकाशन,इलाहाबाद (कुल 10 कहानियाँ– सिक्का बदल गया–कृष्णा सोबती, तीसरा हिस्सा–मन्नू भंडारी, मलबा–मंजुल भगत, तीन किलो की छोरी–मृदुला गर्ग, बन्तों–नमिता सिंह, पाँचवाँ बेटा– नासिरा शर्मा, एक पेड़ की मौत–अलका सरावगी, महानगर की मैथिली–सुधा अरोड़ा, सुनन्दा छोकरी की डायरी–सूर्यबाला, आपकी छोटी लड़की–ममता कालिया)

इकाई 2 : **'जूठन'** – ओमप्रकाश वाल्मीकि, भाग–1, राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली
कहानियाँ : 'साजिश'–सूरजपाल चौहान, 'अपना गाँव'–मोहनदास नैमिशराय, खेत' – रत्नकुमार सांभरिया, 'सिलिया'–सुशीला टाकभोरे, 'सुरंग' – दयानन्द बटोही, 'अंगारा' – कुसुम मेघवाल, नो बार – जयप्रकाश कर्दम, भूख–सी.बी. भारती, अस्थियों के अक्षर – श्यौराज सिंह बेचैन, 'हरिजन' – प्रेम कापड़िया

इकाई 3 : **जंगल–जंगल जलियांवाला'** – हरिराम मीणा (यात्रावृत्तान्त), प्रकाशक– शिल्पायन, दिल्ली
कविताएँ : 'धरोहर' – प्रभात, 'चुड़का सोरेन से' – निर्मला, पुतुल, 'आ मेरे बिरसा' – भुजंग मेश्राम 'हे समय के पहरेदार–ग्रेस कुंजूर, 'संघर्ष जारी है' – सरिता बडाइक, 'अघोषित उलगुलान' – अनुज लुगुन, 'नाल का जंगल' – महादेव टोप्पो, 'हरियल जंगल में'– वाहन सोनवणे, उलीहातू – सुरेन्द्र नायक

इकाई 4 : **सैद्धान्तिक पक्ष**

1. स्त्री विमर्श : अर्थ एवं स्वरूप,
2. दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप,
3. आदिवासी साहित्य : स्वरूप, और अवधारणा,
4. प्रवासी साहित्य : स्वरूप एवं अवधारणा।

इकाई 5 : **द्रुतपाठ हेतु निर्धारित रचनाकार** – 1. अभिमन्यु अनत 2. तेजेन्द्र शर्मा, 3. मैत्रेयी पुष्पा, 4. कौशल्या बैसन्त्री, 5. रामदयाल मुंडा।

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक,दो,तीन में निर्धारित पाठ्य कृतियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या तथा इकाई चार, पाँच में निर्धारित पाठ्य विषयों तथा रचनाकारों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द)5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक,दो, तीन, चार में निर्धारित कृतियों/कृतिकारों/ पाठ्य विषयों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द)

3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें –

स्त्री का मानचित्र : अनामिका
साहित्य के प्रतिरोधी स्वर : किशोरीलाल रैगर
स्त्री विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य – के.एम. मालती
दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मीकि
दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र : शरण कुमार लिम्बाले
दलित साहित्य आंदोलन : चन्द्र कुमार बरठे
आधुनिक भारत का दलित आंदोलन : आर. चन्द्रा तथा कन्हैयालाल चन्चारिक
आदिवासी कौन – रमणिका गुप्ता
आदिवासी संघर्ष गाथा – विनोद कुमार
साहित्य चिंतन के विविध पक्ष – श्रवण कुमार मीणा
विश्व हिन्दी रचना – सं0 कमल किशोर गोयनका
विश्व भाषा हिन्दी – महावीरसरन जैन

M.A.Hindi
Semester
I
2022
Syllabus

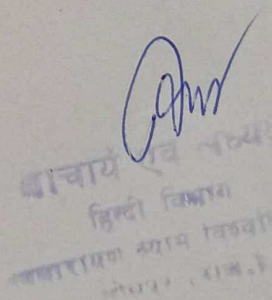

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर I
सत्र 2022
पाठ्यक्रम संख्या MHINCC 101

आधुनिक काव्य (1)

इकाई 1 : **'साकेत'**–मैथिलीशरण गुप्त(निर्धारित काव्यांश–नवम सर्ग),साहित्य सदन चिरगाँव, झाँसी

इकाई 2 : **कामायनी'**–जयशंकर प्रसाद (निर्धारित सर्ग–चिंता, श्रद्धा, लज्जा और इड़ा),भारती भंडार, लीडर प्रेस, इलाहाबाद

इकाई 3 : **पल्लव** – सुमित्रानंदन पंत (निर्धारित कविताएँ– प्रथम रश्मि, मौन निमंत्रण, छाया, बादल, परिवर्तन)– राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई 4 : **राग–विराग'**–निराला (सं.) रामविलास शर्मा (निर्धारित कविताएँ–राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति), लोक भारती, इलाहाबाद

परीक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रथम प्रश्न अतिलघूत्तरी होगा। इस प्रश्न के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10
2. प्रश्न होंगे , सभी दस प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

10X 1 = 10 अंक

3. प्रश्न संख्या 2,3,4 एवं 5 में प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। व्याख्या 7 अंक की होगी और आलोचनात्मक प्रश्न 8 अंक का होगा।

व्याख्या 4X 7 = 28 अंक
आलोचनात्मक प्रश्न 4X 8 = 32 अंक

<u>सहायक पुस्तकें–</u>

साकेत : एक अध्ययन : नगेन्द्र
कामायनी का पुनर्मूल्यांकन : रामस्वरूप चतुर्वेदी
निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा
सुमित्रानन्दन पंत : नगेन्द्र
निराला : आत्महंता आस्था : दूधनाथ सिंह
छायावाद में यथार्थ तत्त्व : छोटाराम कुम्हार

पाठ्यक्रम संख्या MHINCC 102

कथा साहित्य

इकाई 1 : **'गोदान' (पूर्ण संस्करण)** –प्रेमचन्द

इकाई 2 : **'मैला आँचल' (पूर्ण संस्करण)** – फणीश्वरनाथ 'रेणु'

इकाई 3 : **कहानियाँ**–दुलाई वाली (राजेन्द्र बाला घोष 'बंग महिला),'एक टोकरी भर मिट्टी' (माधवराव सप्रे) राही (सुभद्रा कुमारी चौहान), 'उसने कहा था' (चन्द्रधर शर्मा गुलेरी), 'कफन' (प्रेमचन्द), 'आकाशदीप' (जयशंकर प्रसाद) 'अपना–अपना भाग्य' (जैनेन्द्र कुमार) तीसरी कसम (फणीश्वारनाथ 'रेणु'= कुल आठ

इकाई 4: **कहानियाँ**– चीफ की दावत(भीष्म साहनी) जिंदगी और जोंक (अमरकान्त), गैंग्रीन (रोज– अज्ञेय),'टूटना' (राजेन्द्र यादव),इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर (हरिशंकर परसाई), पिता (ज्ञान रंजन), राजा निरबंसिया (कमलेश्वर), 'परिन्दे' (निर्मल वर्मा) = कुल आठ

परीक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रथम प्रश्न अतिलघूत्तरी होगा। इस प्रश्न के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न होंगे , सभी दस प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

10X 1 = 10 अंक

2. प्रश्न संख्या 2,3,4 एवं 5 में प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। व्याख्या 7 अंक की होगी और आलोचनात्मक प्रश्न 8 अंक का होगा।

व्याख्या 4X 7 = 28 अंक

आलोचनात्मक प्रश्न 4X 8 = 32 अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

गोदान : अध्ययन की समस्याएँ : गोपालराय
कहानी : नयी कहानी : नामवर सिंह
हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन : एस.एन. गणेशन
हिन्दी कहानी : समीक्षा और सन्दर्भ : विवेकी राय
हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी
हिन्दी कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी
कहानी का वर्तमान : कौशलनाथ उपाध्याय
फणीश्वरनाथ रेणु का कथा संसार : सूरज पालीवाल
प्रेमचन्द का कहानी साहित्य (चरित्र चित्रण के विविध आयाम) : श्रवणकुमार मीणा
प्रेमचन्द और भारतीय किसान : रामबक्ष
फणीश्वरनाथ रेणु का कथा शिल्प : रेणु शाह

आचार्य एवं अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय
जोधपुर (राज.)

पाठ्यक्रम संख्या MHINCC 103

भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिन्दी साहित्यालोचन

इकाई 1 : **संस्कृत काव्यशास्त्र**–काव्यलक्षण, काव्यहेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य के प्रकार।
रस–सिद्धान्त : रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति,साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा

इकाई 2 : **अलंकार–सिद्धान्त** : मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण
रीति सिद्धान्त : रीति की अवधारणा, रीति–सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ
वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद

इकाई 3 : **ध्वनि सिद्धान्त** : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि–सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनिकाव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य, चित्रकाव्य
औचित्य सिद्धान्त : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद

इकाई 4 : **हिन्दी काव्यशास्त्र और आलोचना–**
लक्षण–काव्य परम्परा, रीतिकालीन कवि–आचार्यों–केशव, चिन्तामणि, देव, भिखारीदास का काव्यशास्त्रीय चिंतन।
हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ–शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय ।

परीक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत कुल 9 प्रश्न होंगे। जिनमें से पाँच प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
2. प्रथम प्रश्न अतिलघूत्तरी होगा। इस प्रश्न के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न होंगे, सभी दस प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

   10X 1 = 10 अंक
3. प्रथम प्रश्न के अलावा कुल आठ प्रश्न होंगे। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम 4 इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न विकल्प सहित पूछे जायेंगे जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा। 4X 15 = 60 अंक

<u>सहायक पुस्तकें–</u>

भारतीय साहित्यशास्त्र : बलदेव उपाध्याय
भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे
रस–मीमांसा : रामचन्द्र शुक्ल
रस–सिद्धान्त : स्वरूप विश्लेषण : आनन्दप्रकाश दीक्षित
भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य चिन्तन : सभापति मिश्र
हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास : भगीरथ मिश्र
आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह
भारतीय काव्यशास्त्र : योगेन्द्र प्रताप सिंह

पाठ्यक्रम संख्या MHINCC 104

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल एवं मध्यकाल

इकाई 1 : इतिहास–दर्शन और साहित्येतिहास, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, हिन्दी साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ। हिन्दी साहित्य का इतिहास–काल–विभाजन, सीमा–निर्धारण और नामकरण, हिन्दी साहित्य के विकास में राजस्थान का योगदान।

इकाई 2 : आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, रासो काव्य, आदिकालीन काव्यरूप, अब्दुर्रहमान, अमीर खुसरो एवं विद्यापति का योगदान।

इकाई 3 : पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि। सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आन्दोलन। प्रमुख निर्गुण सन्त कवि और काव्य–प्रवृत्तियाँ। भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य–प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्त्व। रामकाव्य–परम्परा और तुलसीदास। कृष्णकाव्य–परम्परा तथा प्रमुख कवियों का रचनागत वैशिष्ट्य।

इकाई 4 : उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रन्थों की परम्परा, रीतिकालीन कवियों की जीवन दृष्टि, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त कवि और काव्य, प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ, रीतिकाल की अवान्तर काव्य धाराएँ–भक्ति, वीर और नीति काव्य।

परीक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत कुल 9 प्रश्न होंगे। जिनमें से पाँच प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
2. प्रथम प्रश्न अतिलघूत्तरी होगा। इस प्रश्न के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न होंगे, सभी दस प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

   10X 1 = 10 अंक
3. प्रथम प्रश्न के अलावा कुल आठ प्रश्न होंगे। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम 4 इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न विकल्प सहित पूछे जायेंगे जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा।

   4X 15 = 60 अंक

<u>सहायक पुस्तकें–</u>

साहित्य का इतिहास–दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा
साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप : सुमन राजे
हिन्दी साहित्य के इतिहासों का इतिहास : किशोरीलाल गुप्त
हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : रामकुमार वर्मा
हिन्दी साहित्य का अतीत : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
भक्ति–आन्दोलन और लोकसंस्कृति : कुँवरपाल सिंह
हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपतिचन्द्र गुप्त
हिन्दी साहित्य में मध्ययुगीनता की अवधारणा–पूर्णदास
सिद्ध साहित्य : धर्मवीर भारती
नाथ सम्प्रदाय : हजारीप्रसाद द्विवेदी

पाठ्यक्रम संख्या MHINSC 101

कौशल पाठ्यक्रम (Skill Course): I
(विभाग के विद्यार्थियों के लिए)
प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई 1 : प्रयोजनमूलक हिन्दी से अभिप्राय । हिन्दी के विविध रूप – सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी ।

इकाई 2 : पारिभाषिक शब्दावली – स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धान्त, कार्यालयी एवं प्रशासनिक शब्दावली ।

इकाई 3: हिन्दी कम्प्यूटिंग – कम्प्यूटर– परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र।
इंटरनेट–सम्पर्क उपकरणों का परिचय। हिन्दी कम्प्यूटर टाइप की विधियाँ।

इकाई 4 : अनुवाद का स्वरूप , क्षेत्र , प्रक्रिया एवं परिधि । पुनरीक्षण (वैट्टिंग), आशु अनुवाद ।

सहायक पुस्तकें

प्रयोजनमूलक हिन्दी – नसीम–ए–आजाद
प्रयोजनपरक हिन्दी – विजय कुलश्रेष्ठ
प्रशासन में राजभाषा हिन्दी – कैलाशचन्द्र भाटिया
प्रशासनिक शब्दावली (अंग्रेजी–हिन्दी) – वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली
कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
अनुवाद विज्ञान – राजमणि शर्मा
अनुवाद : समस्याएँ और संदर्भ – गजानन चह्वाण
अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा – सुरेश कुमार

आचार्य एवं अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय
जोधपुर (राज.)

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर II
सत्र 2022
पाठ्यक्रम संख्या MHINCC 201

आधुनिक काव्य (2)

इकाई: 1. **रामधारी सिंह दिनकर** –रश्मिरथी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

इकाई 2 **आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि –अज्ञेय**–(सं.) विद्यानिवास मिश्र (निर्धारित कविताएँ–बावरा अहेरी, शब्द और सत्य, हिरोशिमा, हरी घास पर क्षणभर,, नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, कितनी नावों में कितनी बार), भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली

इकाई 3 : **चाँद का मुँह टेढ़ा है–मुक्तिबोध** (निर्धारित कविता–ब्रह्म राक्षस, अँधेरे में), भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई 4 : **नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ** (सं.) नामवर सिंह (निर्धारित कविताएँ–बादल को घिरते देखा है, कालिदास, शासन की बंदूक, मनुष्य हूँ, अकाल और उसके बाद, खुरदरे पैर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

परीक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रथम प्रश्न अतिलघूत्तरी होगा। इस प्रश्न के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न होंगे, सभी दस प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

   10X 1= 10 अंक

2. प्रश्न संख्या 2,3,4 एवं 5 में प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। व्याख्या 7 अंक की होगी और आलोचनात्मक प्रश्न 8 अंक का होगा।

   व्याख्या 4X 7 = 28 अंक
   आलोचनात्मक प्रश्न 4X 8 = 32 अंक

सहायक पुस्तकें–

अज्ञेय की कविता : चन्द्रकान्त बांदिवडेकर
गजानन माधव मुक्तिबोध : लक्ष्मण दत्त गौतम
कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह
उत्तरशती के श्रेष्ठ हिन्दी कवि : संपा. लालचन्द गुप्त
फिलहाल : अशोक वाजपेयी
छायावादोत्तर हिन्दी काव्य : बदलते मानदण्ड एवं स्वरूप – कौशलनाथ उपाध्याय
नागार्जुन : सत्यनारायण

आचार्य एवं [illegible]
हिन्दी विभाग
[illegible] व्यास विश्वविद्यालय
जोधपुर (राज.)

पाठ्यक्रम संख्या MHINCC 202

कथेतर साहित्य

इकाई 1 : **निबन्ध**–भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र), शिव शम्भु के चिट्ठे (बालकृष्ण भट्ट), मजदूर और प्रेम (अध्यापक पूर्ण सिंह), कविता क्या है (रामचन्द्र शुक्ल), नाखून क्यों बढ़ते है (हजारी प्रसाद द्विवेदी), तुलसी साहित्य के सामंत विरोधी मूल्य (रामविलास शर्मा), हल्दी, दूब और दधि अक्षत (विद्यानिवास मिश्र), उत्तर फाल्गुनी के आस–पास (कुबेरनाथ राय) = कुल आठ

इकाई 2 : **आषाढ़ का एक दिन (नाटक)** –मोहन राकेश

इकाई 3 : **आवारा मसीहा (जीवनी)** – विष्णु प्रभाकर

इकाई 4 : **क्या भूलूँ क्या याद करूँ (आत्मकथा)** : हरिवंश राय बच्चन

परीक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रथम प्रश्न अतिलघूत्तरी होगा। इस प्रश्न के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न होंगे, सभी दस प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

   10X 1 = 10 अंक

2. प्रश्न संख्या 2,3,4 एवं 5 में प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। व्याख्या 7 अंक की होगी और आलोचनात्मक प्रश्न 8 अंक का होगा।

   व्याख्या 4X 7 = 28 अंक
   आलोचनात्मक प्रश्न 4X 8 = 32 अंक

सहायक पुस्तकें–

मोहन राकेश का नाट्य साहित्य : पुष्पा बंसल
हिन्दी निबंध का विकास : ओंकारनाथ शर्मा
महादेवी का गद्य : सूर्यप्रसाद दीक्षित
हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी
महादेवी वर्मा : सं. परमानन्द श्रीवास्तव
गद्यकार बच्चन : जीवनप्रकाश जोशी
बच्चन : जीवन और साहित्य : सुधाबहन कनुभाई पटेल

पाठ्यक्रम संख्या MHINCC 203

पाश्चात्य काव्य–सिद्धांत एवं वाद

इकाई 1 : **प्लेटो** – काव्य संबंधी विचार ,
अरस्तू– अनुकरण और विरेचन सिद्धान्त, ट्रेजेडी –विवेचन
लोंजाइनस– उदात्त की अवधारणा, उदात्त के स्रोत

इकाई 2 : **वर्ड्सवर्थ**– काव्यभाषा का सिद्धान्त, काव्य प्रयोजन एवं काव्यसत्य
कॉलरिज– कल्पना सिद्धान्त और ललित कल्पना, सौन्दर्य कल्पना
मैथ्यू आर्नल्ड – काव्य सिद्धांत

इकाई 3 : **टी.एस. इलियट**– परम्परा की परिकल्पना, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण
आई.ए.रिचर्ड्स– सम्प्रेषण सिद्धान्त, रागात्मक अर्थ, मूल्य सिद्धान्त, व्यावहारिक आलोचना, नई समीक्षा

इकाई 4 : **सिद्धान्त और वाद**– स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद, संरचनावाद

परीक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत कुल 9 प्रश्न होंगे। जिनमें से पाँच प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
2. प्रथम प्रश्न अतिलघूत्तरी होगा। इस प्रश्न के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न होंगे, सभी दस प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

   10X 1 = 10 अंक
3. प्रथम प्रश्न के अलावा कुल आठ प्रश्न होंगे। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम 4 इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न विकल्प सहित पूछे जायेंगे जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा।

   4X 15 = 60 अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्रनाथ शर्मा
पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त : शान्तिस्वरूप गुप्त
पाश्चात्य काव्यशास्त्र : रामपूजन तिवारी

पाठ्यक्रम संख्या MHINCC 204

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

इकाई 1 : 1857 ई. की राज्यक्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण। आधुनिक काव्य–भारतेन्दु युग–प्रमुख कवि और काव्यगत विशेषताएँ। द्विवेदी युग–प्रमुख कवि और काव्यगत वैशिष्ट्य। राष्ट्रीय काव्यधारा और उसके प्रमुख कवि। छायावाद, उत्तर छायावादी काव्य,

इकाई 2 : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता।

इकाई 3 : हिन्दी गद्य का उद्‌भव तथा विकास, हिन्दी उपन्यास–विकास के प्रमुख चरण, हिन्दी कहानी का विकास और प्रमुख कहानी आन्दोलन, हिन्दी निबन्ध का विकास, हिन्दी नाटक–विकास के चरण, हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास।

इकाई 4 : हिन्दी गद्य की अन्य विधाओं–एकांकी, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा की विकास–यात्रा। दलित लेखन, स्त्री लेखन। हिन्दीतर एवं देशांतर क्षेत्रों में हिन्दी भाषा और साहित्य।

परीक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत कुल 9 प्रश्न होंगे। जिनमें से पाँच प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
2. प्रथम प्रश्न अतिलघूत्तरी होगा। इस प्रश्न के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न होंगे, सभी दस प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

   10X 1 = 10 अंक
3. प्रथम प्रश्न के अलावा कुल आठ प्रश्न होंगे। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम 4 इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न विकल्प सहित पूछे जायेंगे जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा।

   4X 15 = 60 अंक

<u>सहायक पुस्तकें–</u>

हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह
हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
दलित साहित्य आन्दोलन : चन्द्र कुमार वरठे
स्त्रीत्व का मानचित्र : अनामिका
स्त्री विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य : के.एम. मालती
दलित साहित्य और समसामयिक सन्दर्भ : श्रवणकुमार मीणा

पाठ्यक्रम संख्या MHINSC 201

कौशल पाठ्यक्रम (Skill Course): II
(अन्य विभागों के विद्यार्थियों के लिए)
हिन्दी मीडिया लेखन एवं अनुवाद

इकाई 1 : जनसंचार एवं पत्रकारिता – अर्थ , परिभाषा और स्वरूप, जनसंचार के प्रकार।

इकाई 2 : मुद्रित माध्यम (प्रिंट मीडिया) लेखन – समाचार –लेखन, संपादकीय लेखन, फीचर लेखन। श्रव्य माध्यम (रेडियो) लेखन – समाचार – लेखन एवं वाचन।

इकाई 3: दृश्य –श्रव्य माध्यम (टेलीविजन) लेखन– दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वायस ओवर), विज्ञापन–लेखन।

इकाई 4 : अनुवाद का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप और क्षेत्र, अनुवाद के प्रकार, आशु अनुवाद, पुनरीक्षण (वैट्टिंग) ।

सहायक पुस्तकें–

पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम : संजीव भानावत
पत्रकारिता संदर्भ कोश : छविनाथ पाण्डेय
हिन्दी पत्रकारिता के विविध आयाम : वेदप्रताप वैदिक
हिन्दी पत्रकारिता : कृष्णबिहारी मिश्र
जनसंचार : बदलते परिप्रेक्ष्य में : बलवीर कुन्द्रा
मीडिया लेखन और जनसंचार – मुश्ताक अली

M.A.Hindi
Semester
III and IV
2022
Syllabus

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर III
सत्र 2022

निर्देश :– इस सेमेस्टर के अंतर्गत पाठ्यक्रम इस प्रकार होगा–

(अ) अनिवार्य प्रश्नपत्र – 1. MHINCC 301 आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य
2. MHINCC 302 हिन्दी भाषा

(ब) वैकल्पिक प्रश्नपत्र – **निम्नलिखित में से किसी एक का चयन करना होगा–**

1. MHINCC 303 (क) आदिकालीन
2. MHINCC 303 (ख)भक्तिकाल
3. MHINCC 303 (ग) रीतिकाल

(स) वैकल्पिक प्रश्नपत्र – **निम्नलिखित में से किसी एक का चयन करना होगा–**

1. MHINCC 304 (क) छायावादोत्तर काव्य
2. MHINCC 304 (ख) हिन्दी उपन्यास

(द) दो अनिवार्य प्रश्नपत्र एवं दो वैकल्पिक प्रश्नपत्रों के साथ ही पाठ्यक्रम संख्या MHINSC 301 कौशल पाठ्यक्रम (Skill Course) – III **'राजभाषा हिन्दी'** विभाग के विद्यार्थियों के लिए होगा।

एम.ए. हिन्दी

सेमेस्टर III

सत्र 2022

पाठ्यक्रम संख्या MHINCC 301

आदिकालीन एवं निर्गुण भक्तिकाव्य

इकाई 1 : **संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो** (सं.), हजारीप्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह (निर्धारित अंश–शशिव्रता विवाह प्रस्ताव)

इकाई 2 : **विद्यापति** : लेखक–संपादक– डॉ.शिवप्रसाद सिंह , लोक भारती प्रकाशन , इलाहाबाद (निर्धारित अंश– रूप वर्णन एवं विरह)

इकाई 3 : **कबीर ग्रन्थावली**–(सं.) श्यामसुन्दरदास

निर्धारित अंश–

गुरुदेव कौ अंग, साखी 1, 2, 6, 9, 11, 22, 24, 28, 30, 31	= 10
सुमिरन कौ अंग, साखी 1, 5, 7, 9, 27, 32	= 6
विरह कौ अंग, साखी 8, 18, 20, 23, 30, 32, 35, 44	= 8
ग्यान विरह कौ अंग, साखी 3, 4, 6, 7, 8, 10	= 6
परचा कौ अंग, साखी 1, 3, 4, 8, 9, 17, 22, 23, 39, 45	= 10
लै कौ अंग, साखी 1, 2, 3	= 3
निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग, साखी 1, 2, 4, 5, 7, 16, 17	= 7

कुल 50 साखी

पद संख्या – 1, 7, 8, 10, 11, 16, 23, 32, 39, 40, 43, 55, 64, 69, 70,
= कुल 15 पद

इकाई 4 : **पद्मावत** –जायसी (सं.) वासुदेवशरण अग्रवाल (निर्धारित अंश–सिंहलद्वीप वर्णन खण्ड, नखशिख खण्ड)

परीक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रथम प्रश्न अतिलघूत्तरी होगा। इस प्रश्न के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न होंगे सभी दस प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

   10X 1 = 10 अंक

2. प्रश्न संख्या 2,3, 4 एवं 5 में प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। व्याख्या 7 अंक की होगी और आलोचनात्मक प्रश्न 8 अंक का होगा।

   व्याख्या 4X 7 = 28 अंक

   आलोचनात्मक प्रश्न 4X 8 = 32 अंक

सहायक पुस्तकें–

पृथ्वीराज रासो की भाषा : नामवरसिंह

कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी

जायसी ग्रंथावली (भूमिका) : रामचन्द्र शुक्ल

विद्यापति पदावली : सुरेन्द्रनाथ दीक्षित

पाठ्यक्रम संख्या MHINCC 302
हिन्दी भाषा

इकाई 1 : हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि–प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ–वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ–पालि, प्राकृत तथा अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ।

इकाई 2 : आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण। हिन्दी का भौगोलिक विस्तार–हिन्दी की उपभाषाएँ–पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ।

इकाई 3 : हिन्दी का भाषिक स्वरूप–हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था–खण्ड्य, खण्ड्येतर। हिन्दी शब्द रचना–उपसर्ग, प्रत्यय, समास। रूप रचना–लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया–रूप।

इकाई 4 : हिन्दी वाक्य–रचना–पदक्रम और अन्विति। देवनागरी लिपि–नामकरण , उद्‌भव और विकास, विशेषताएँ।

परीक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत कुल 9 प्रश्न होंगे। जिनमें से पाँच प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
2. प्रथम प्रश्न अतिलघूत्तरी होगा। इस प्रश्न के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न होंगे सभी दस प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

   10X 1 = 10 अंक
3. प्रथम प्रश्न के अलावा कुल आठ प्रश्न होंगे। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम 4 इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न विकल्प सहित पूछे जायेंगे जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा।

   4X 15 = 60 अंक

<u>सहायक पुस्तकें–</u>

भाषा (ब्लूमफील्ड) : (अनु.) विश्वनाथ प्रसाद
हिन्दी भाषा का उद्‌गम और विकास : उदयनारायण तिवारी
हिन्दी भाषा : भोलानाथ तिवारी
भाषा और हिन्दी भाषा का इतिहास : नरेश मिश्र
हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी
भाषा का समाजशास्त्र : राजेन्द्र प्रसाद सिंह

पाठ्यक्रम संख्या MHINEC 303

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

(क) भक्तिकाल

इकाई 1 : **रैदास जी की बानी**–बेलवीडियर प्रिण्टिंग वर्क्स, इलाहाबाद
(निर्धारित अंश–प्रथम 25 पद)

इकाई 2 : **मधुमालती**–मंझन, (सं.) माताप्रसाद गुप्त
(निर्धारित अंश–छन्द संख्या 26 से 50 तक)

इकाई 3 : **रामचन्द्रिका**–केशवदास, (सं.) लाला भगवानदीन
(निर्धारित अंश–सातवाँ प्रकाश)

इकाई 4 : **मीराँ मुक्तावली**–(सं.) नरोत्तमदास स्वामी (निर्धारित अंश–प्रथम 25 पद)

परीक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रथम प्रश्न अतिलघूत्तरी होगा। इस प्रश्न के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न होंगे सभी दस प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

   10X 1 = 10 अंक

2. प्रश्न संख्या 2,3, 4 एवं 5 में प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। व्याख्या 7 अंक की होगी और आलोचनात्मक प्रश्न 8 अंक का होगा।

   व्याख्या 4X 7 = 28 अंक
   आलोचनात्मक प्रश्न 4X 8 = 32 अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

भक्ति का विकास : मुंशीराम शर्मा
हिन्दी काव्य में निर्गुण सम्प्रदाय : पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
भक्तिकाल की सामाजिक सांस्कृतिक चेतना : प्रेमशंकर
वैष्णव भक्ति आन्दोलन का अध्ययन : मलिक मोहम्मद
केशव की काव्यकला : कृष्णशंकर शुक्ल
मीराँ : जीवनवृत्त एवं काव्य : कल्याणसिंह शेखावत
मंझन का सौन्दर्य दर्शन : लालता प्रसाद सक्सेना

पाठ्यक्रम संख्या MHINEC 303

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

(ख) रीतिकाल

इकाई 1 : **कवित्त–रत्नाकर**–सेनापति, (सं.) उमाशंकर शुक्ल, हिन्दी परिषद् प्रकाशन, प्रयाग विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
(निर्धारित अंश–प्रथम तरंग, छन्द संख्या 11 से 35 तक)

इकाई 2 : **विरही सुभान दंपति विलास** (बोधा–ग्रन्थावली), (सं.) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
(निर्धारित अंश–प्रथम खण्ड)

इकाई 3 : **भूषण–ग्रन्थावली**, (सं.) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(निर्धारित अंश–प्रकीर्णक–प्रथम 25 छन्द)

इकाई 4 : **नीति सतसई** (वृन्द ग्रंथावली) (सं.) जनार्दन राव चेलेर
(निर्धारित अंश–प्रथम पचास दोहे)

परीक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रथम प्रश्न अतिलघूत्तरी होगा। इस प्रश्न के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न होंगे सभी दस प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

   10X 1 = 10 अंक

2. प्रश्न संख्या 2,3, 4 एवं 5 में प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। व्याख्या 7 अंक की होगी और आलोचनात्मक प्रश्न 8 अंक का होगा।

   व्याख्या 4X 7 = 28 अंक

   आलोचनात्मक प्रश्न 4X 8 = 32 अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

रीतिकाव्य की भूमिका : नगेन्द्र
हिन्दी साहित्य का अतीत (दूसरा भाग) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
रीतिमुक्त स्वच्छन्द काव्यधारा : मनोहरलाल गौड़
हिन्दी नीति काव्य : भोलानाथ तिवारी
भूषण : साहित्यिक एवं ऐतिहासिक अनुशीलन : भगवानदास तिवारी
वृन्द और उनका साहित्य : जनार्दनराव चेलेर
रीतिकालीन हिन्दी वीरकाव्य : भगवानदास तिवारी
भक्तिकाल में रीतिकाव्य की प्रवृत्तियाँ और सेनापति : शम्भुनाथसिंह

हिन्दी विभाग
जोधपुर (राज.)

पाठ्यक्रम संख्या MHINEC 304

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

(क) छायावादोत्तर काव्य

इकाई 1 : (अ) – **गीत फरोश, सतपुड़ा के जंगल** – भवानी प्रसाद मिश्र = कुल 2
(ब) – **संसद से सड़क तक**–धूमिल (निर्धारित कविताएँ– मोचीराम, अकालदर्शन, रोटी और संसद = कुल 3)

इकाई 2: **प्रवाद पर्व**–नरेश मेहता

इकाई 3 : **आत्मजयी** (कुँवर नारायण)

इकाई 4 : **साये में धूप** – दुष्यंत कुमार।

परीक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रथम प्रश्न अतिलघूत्तरी होगा। इस प्रश्न के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न होंगे सभी दस प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

   10X 1 = 10 अंक

2. प्रश्न संख्या 2,3, 4 एवं 5 में प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। व्याख्या 7 अंक की होगी और आलोचनात्मक प्रश्न 8 अंक का होगा।

   व्याख्या 4X 7 = 28 अंक
   आलोचनात्मक प्रश्न 4X 8 = 32 अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

नयी कविता : सीमाएँ और सम्भावनाएँ : गिरिजाकुमार माथुर
समकालीन कविता : सुन्दरलाल कथूरिया
समकालीन कविता का व्याकरण : परमानन्द श्रीवास्तव
धूमिल और उनका काव्य संघर्ष : ब्रह्मदेव मिश्र
क्योंकि रचना बोलती है : कौशलनाथ उपाध्याय
हिन्दी ग़ज़ल के विविध आयाम : सरदार मुजावर

पाठ्यक्रम संख्या MHINEC 304

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

(ख) हिन्दी उपन्यास

इकाई 1 : **बाणभट्ट की आत्मकथा**–हजारीप्रसाद द्विवेदी
इकाई 2 : **तमस**– भीष्म सहानी, **शेखर एक जीवनी** (भाग 1)–अज्ञेय
इकाई 3 : **मानस का हंस** – अमृत लाल नागर
इकाई 4 : **कब तक पुकारूँ** – रांगेय राघव, **आपका बंटी**–मन्नू भंडारी

परीक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रथम प्रश्न अतिलघूत्तरी होगा। इस प्रश्न के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न होंगे सभी दस प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

   10X 1 = 10 अंक

2. प्रश्न संख्या 2,3, 4 एवं 5 में प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। व्याख्या 7 अंक की होगी और आलोचनात्मक प्रश्न 8 अंक का होगा।

   व्याख्या 4X 7 = 28 अंक

   आलोचनात्मक प्रश्न 4X 8 = 32 अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

उपन्यास का स्वरूप : सुषमा प्रियदर्शिनी
हिन्दी उपन्यास : बदलते संदर्भ : शशिभूषण सिंहल
हिन्दी के आंचलिक उपन्यास : सिद्धान्त और समीक्षा : बंशीधर
अज्ञेय की उपन्यास यात्रा : अरविन्दाक्षन
हिन्दी उपन्यास : संबंधों के विविध आयाम : श्रवणकुमार मीणा

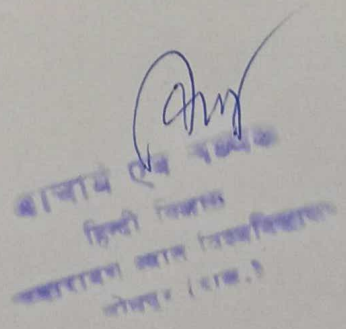

पाठ्यक्रम संख्या MHINSC 301

कौशल पाठ्यक्रम (Skill Course): III

(विभाग के विद्यार्थियों के लिए)

राजभाषा हिन्दी

इकाई 1 : प्रशासन व्यवस्था और भाषा । राजभाषा (कार्यालयी हिन्दी) की प्रकृति। राजभाषा विषयक सांविधानिक प्रावधान – अनुच्छेद 343 से 351, राष्ट्रपति के आदेश (1952, 1955, 1960) राजभाषा अधिनियम 1963 (यथा संशोधित 1967), राजभाषा संकल्प 1968 (यथानुमोदित 1991), राजभाषा नियम 1976

इकाई 2 : हिन्दीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिन्दी की स्थिति, अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी, हिन्दी के प्रचार–प्रसार में विभिन्न हिन्दी संस्थाओं की भूमिका, हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि का मानकीकरण।

इकाई 3 : राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष – प्रारूपण – पत्रलेखन, टिप्पणी, संक्षेपण, पल्लवन, कार्यालय अभिलेखों के हिन्दी अनुवाद की समस्या

इकाई 4 : बैंकिंग, बीमा और अन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों में हिन्दी अनुप्रयोग की स्थिति, विधिक क्षेत्र में हिन्दी, सूचना प्रौद्योगिकी (संचार माध्यमों) के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी और देवनागरी लिपि। भूमण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी का भविष्य।

सहायक पुस्तकें–

प्रशासन में राजभाषा हिन्दी : कैलाशचन्द्र भाटिया
आलेखन , प्रारूप : शिवनारायण चतुर्वेदी
टिप्पणी , प्रारूप : शिवनारायण चतुर्वेदी
सम्प्रेषण एवं बैंकिंग व्यवस्था : सुभाष गौड़
राजभाषा हिन्दी : प्रगति और प्रमाण : इकबाल अहमद
भाषा और प्रौद्योगिकी : विनोद प्रसाद

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर IV
सत्र 2022

निर्देश :– इस सेमेस्टर के अंतर्गत पाठ्यक्रम इस प्रकार होगा–

(अ) अनिवार्य प्रश्नपत्र – 1. MHINCC 401 सगुण भक्ति एवं रीतिकाव्य
2. MHINCC 402 भाषा विज्ञान

(ब) वैकल्पिक प्रश्नपत्र – **निम्नलिखित में से किसी एक का चयन करना होगा–**
1. MHINCC 403 (क) लोक साहित्य
2. MHINCC 403 (ख) भारतीय साहित्य

(स) वैकल्पिक प्रश्नपत्र – **निम्नलिखित में से किसी एक का चयन करना होगा–**
1. MHINCC 404 (क) नवविमर्श
2. MHINCC 404 (ख) हिन्दी नाटक

(द) दो अनिवार्य प्रश्नपत्र एवं दो वैकल्पिक प्रश्नपत्रों के साथ ही पाठ्यक्रम संख्या MHINSC 401 कौशल पाठ्यक्रम (Skill Course)– IV **'लोक संस्कृति' अन्य विभाग के विद्यार्थियों के लिए होगा।**

एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर IV
सत्र 2022
पाठ्यक्रम संख्या MHINCC 401

सगुण भक्ति एवं रीतिकाव्य

इकाई 1 : **भ्रमरगीत सार**–सूरदास (सं.) रामचन्द्र शुक्ल
(निर्धारित अंश–पद संख्या 51 से 100 तक)

इकाई 2 : **रामचरितमानस**–तुलसीदास, गीताप्रेस, गोरखपुर
(निर्धारित अंश–उत्तरकांड, दोहा संख्या 36 से 86 तक)

इकाई 3 : **बिहारी–रत्नाकर**, (सं.) जगन्नाथदास 'रत्नाकर'
(निर्धारित अंश–दोहा संख्या 31 से 60 तक)

इकाई 4 : **घनआनन्द–कबित्त**–(सं.) विश्वनाथप्रसाद मिश्र
(निर्धारित अंश–प्रथम 50 छंद)

परीक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रथम प्रश्न अतिलघूत्तरी होगा। इस प्रश्न के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न होंगे सभी दस प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

   10X 1 = 10 अंक

2. प्रश्न संख्या 2,3, 4 एवं 5 में प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। व्याख्या 7 अंक की होगी और आलोचनात्मक प्रश्न 8 अंक का होगा।

   व्याख्या 4X 7 = 28 अंक
   आलोचनात्मक प्रश्न 4X 8 = 32 अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

सूर और उनका साहित्य : हरवंशलाल शर्मा
तुलसीकाव्य मीमांसा : उदयभानुसिंह
घनानन्द काव्यवैभव : मनोहरलाल गौड़
बिहारी : विश्वनाथप्रसाद मिश्र

पाठ्यक्रम संख्या MHINCC 402

भाषा विज्ञान

इकाई 1 : भाषा और भाषा विज्ञान–भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण।
भाषा विज्ञान : स्वरूप एवं व्याप्ति, अंग, अध्ययन की दिशाएँ– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई 2 : स्वन प्रक्रिया–स्वन एवं ध्वनि विज्ञान का स्वरूप, स्वन एवं स्वनिम की अवधारणा, वाग्यंत्र और उनके कार्य, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

इकाई 3: रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद–मुक्त–आबद्ध, अर्थदर्शी और सम्बन्धदर्शी, सम्बन्ध दर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य।

इकाई 4 : वाक्य की अवधारणा, वाक्य–परिवर्तन के कारण और दिशाएँ, वाक्य के भेद, वाक्य–विश्लेषण, निकटस्थ अवयव–विश्लेषण, गहन–संरचना और बाह्य संरचना।
अर्थ–विज्ञान–अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ–परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।

परीक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत कुल 9 प्रश्न होंगे। जिनमें से पाँच प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
2. प्रथम प्रश्न अतिलघूत्तरी होगा। इस प्रश्न के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न होंगे सभी दस प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

10X 1 = 10 अंक

3. प्रथम प्रश्न के अलावा कुल आठ प्रश्न होंगे। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम 4 इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न विकल्प सहित पूछे जायेंगे जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा।

4X 15 = 60 अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा
भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
आधुनिक भाषाविज्ञान : राजमणि शर्मा

पाठ्यक्रम संख्या MHINEC 403
वैकल्पिक प्रश्नपत्र
(क) लोक साहित्य

इकाई 1 : लोक और लोकवार्ता, लोकमानस और लोकतत्त्व। लोकसंस्कृति–अवधारणा, लोकवार्ता और लोकसंस्कृति, लोकसंस्कृति और साहित्य।लोकसाहित्य–अवधारणा, लोकसाहित्य की अध्ययन प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएँ,

इकाई 2 : लोकसाहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण–लोकगीत, लोक–नाट्य, लोककथा, लोकगाथा, लोकोक्ति साहित्य–परिभाषा एवं वर्गीकरण। कथानक रूढ़ियाँ एवं अभिप्राय, लोककथा निर्माण में अभिप्राय (MOTIF)।

इकाई 3 : राजस्थानी लोकगीत–वर्गीकरण एवं प्रतिपाद्य, राजस्थानी प्रमुख लोककथाएँ , छोगे एवं बात बणाव। राजस्थानी लोकगाथा–वर्गीकरण, प्रमुख लोकगाथाओं–पाबूजी री पड़, बगड़ावत का परिचय।

इकाई 4 : राजस्थानी लोकनाट्य–विविध रूपों–ख्याल, तमाशा, स्वाँग, नौटंकी, तुर्राकलंगी, रम्मत– का परिचयात्मक अध्ययन।
राजस्थानी लोकनृत्य–घूमर, अग्निनृत्य, चरीनृत्य, तेराताली, डाण्डिया–गेर।
राजस्थानी लोक कलाएँ , राजस्थानी लोकोत्सव।

परीक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र के अंतर्गत कुल 9 प्रश्न होंगे। जिनमें से पाँच प्रश्न करने अनिवार्य हैं।
2. प्रथम प्रश्न अतिलघूत्तरी होगा। इस प्रश्न के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न होंगे सभी दस प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

10X 1 = 10 अंक

3. प्रथम प्रश्न के अलावा कुल आठ प्रश्न होंगे। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम 4 इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न विकल्प सहित पूछे जायेंगे जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना होगा।

4X 15 = 60 अंक

सहायक पुस्तकें–
लोकसाहित्य विज्ञान : सत्येन्द्र
लोकसाहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय
लोकसाहित्य का अध्ययन : त्रिलोचन पाण्डेय
लोकधर्मी नाट्य परम्परा : श्याम परमार
भारतीय लोकसाहित्य की रूपरेखा : दुर्गा भागवत
हिन्दी साहित्य का वृहद् इतिहास : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी (16वाँ खण्ड)
संस्कृति के चार अध्याय : रामधारीसिंह 'दिनकर'
राजस्थानी लोकसाहित्य के अध्ययन के आयाम : रामप्रसाद दाधीच
राजस्थानी लोकगाथा : एक अध्ययन : कृष्ण कुमार शर्मा
राजस्थानी लोकसाहित्य : नानूराम संस्कर्ता
लोकगीत की सत्ता : सुरेश गौतम

पाठ्यक्रम संख्या MHINEC 403

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

(ख) भारतीय साहित्य

इकाई 1 : भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब, भारतीय सहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति, भारतीय साहित्य की मूलभूत एकता।

इकाई 2 : **पांचाली शपथग्** (खंडकाव्य–तमिल)– सुब्रह्मण्य भारती, रूपांतरकार –नागेश्वर सुन्दरम्, विश्वनाथ सिंह 'विश्वासी', ग्रंथ सदन, दिल्ली, प्रथम संस्करण–2007

इकाई 3 : **अग्निगर्भ** (उपन्यास–बंगला) – महाश्वेता देवी, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, दूसरा संस्करण–2008

इकाई 4 : **घासीराम कोतवाल** (नाटक–मराठी) – विजय तेन्दुलकर, अनुवादक – वसंत देव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, पहली आवृत्ति– 2008

परीक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रथम प्रश्न अतिलघूत्तरी होगा। इस प्रश्न के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न होंगे सभी दस प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

   10X 1 = 10 अंक

2. प्रश्न संख्या 2 में इकाई 1 से विकल्प सहित 2 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक प्रश्न हल करना होगा। 1X 15 = 15 अंक

3. प्रश्न संख्या 3, 4 एवं 5 में इकाई 2,3 एवं 4 से विकल्प सहित व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। व्याख्या 7 अंक की होगी और आलोचनात्मक प्रश्न 8 अंक का होगा।

   व्याख्या 3X 7 = 21 अंक

   आलोचनात्मक प्रश्न 3X 8 = 24 अंक

सहायक पुस्तकें –

भारतीय साहित्य – भोलाशंकर व्यास

भारतीय साहित्य – (सं0) नगेन्द्र

भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – रामविलास शर्मा

भारतीय साहित्य – रामछबीला त्रिपाठी

भारतीय साहित्य – मूलचन्द गौतम

तमिल साहित्य : एक झाँकी – एम. शेषन्

तमिल नवजागरण और सुब्रह्मण्य भारती – एम. शेषन

बंगला साहित्य का इतिहास – सुकुमार सेन (अनुवादक) – निर्मला जैन

मराठी साहित्य : परिदृश्य : चन्द्रकान्त बांदिवडेकर

पाठ्यक्रम संख्या MHINEC 404

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

(क) नवविमर्श

इकाई 1 : सैद्धान्तिक पक्ष – स्त्री विमर्श : अर्थ एवं स्वरूप, दलित साहित्य की अवधारणा और स्वरूप, आदिवासी साहित्य : स्वरूप, और अवधारणा, प्रवासी साहित्य : स्वरूप एवं अवधारणा।

इकाई 2 : **नई सदी की पहचान : श्रेष्ठ महिला कथाकार** , संपा.– ममता कालिया, लोक भारती प्रकाशन , इलाहाबाद (कुल 10 कहानियाँ– सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती, तीसरा हिस्सा– मन्नू भंडारी, मलबा– मंजुल भगत, तीन किलो की छोरी– मृदुला गर्ग, बन्तो– नमिता सिंह , पाँचवा बेटा– नासिरा शर्मा, एक पेड़ की मौत– अलका सरावगी, महानगर की मैथिली– सुधा अरोड़ा, सुनन्दा छोकरी की डायरी– सूर्यबाला, आपकी छोटी लड़की– ममता कालिया)

इकाई 3 : **'जूठन'** – ओमप्रकाश वाल्मीकि भाग – 1 , राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
कहानियाँ : 'साजिश'–सूरजपाल चौहान, 'अपना गाँव'–मोहनदास नैमिशराय, 'खेत' – रत्नकुमार सांभरिया, 'सिलिया'–सुशीला टाकभोरे, अस्थियों के अक्षर – श्यौराज सिंह बेचैन (कुल 05)

इकाई 4 : **जंगल–जंगल जलियांवाला** – हरिराम मीणा (यात्रावृत्तान्त), शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली
कविताएँ: 'धरोहर' – प्रभात, 'चुड़का सोरेन से' – निर्मला पुतुल, 'आ मेरे बिरसा' – भुजंग मेश्राम ,'अघोषित उलगुलान' – अनुज लुगुन, 'हरियल जंगल में' – वाहरू सोनवणे (कुल 05)

परीक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रथम प्रश्न अतिलघूत्तरी होगा। इस प्रश्न के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न होंगे सभी दस प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

   10X 1 = 10 अंक

2. प्रश्न संख्या 2 में इकाई 1 से विकल्प सहित 2 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से एक प्रश्न हल करना होगा।

   1X 15 = 15 अंक

3. प्रश्न संख्या 3, 4 एवं 5 में इकाई 2,3 एवं 4 से विकल्प सहित व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। व्याख्या 7 अंक की होगी और आलोचनात्मक प्रश्न 8 अंक का होगा।

   व्याख्या 3X 7 = 21 अंक
   आलोचनात्मक प्रश्न 3X 8 = 24 अंक

सहायक पुस्तकें –

स्त्री का मानचित्र : अनामिका
साहित्य के प्रतिरोधी स्वर : किशोरीलाल रैगर
स्त्री विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य – के.एम. मालती
दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मीकि
दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र : शरण कुमार लिम्बाले
दलित साहित्य आंदोलन : चन्द्र कुमार बरठे
आधुनिक भारत का दलित आंदोलन : आर, चन्द्रा तथा कन्हैयालाल चन्चारिक
आदिवासी कौन – रमणिका गुप्ता
आदिवासी संघर्ष गाथा – विनोद कुमार
साहित्य चिंतन के विविध पक्ष – श्रवण कुमार मीणा
विश्व हिन्दी रचना – सं. कमल किशोर गोयनका
विश्व भाषा हिन्दी – महावीरसरन जैन

पाठ्यक्रम संख्या MHINEC 404

वैकल्पिक प्रश्नपत्र

(ख) हिन्दी नाटक 2022

इकाई एक– **अंधेर नगरी**– भारतेन्दु हरिश्चंद्र, चन्द्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद

इकाई दो– **अंधायुग** – धर्मवीर भारती

इकाई तीन– **सिंदूर की होली** – लक्ष्मीनारायण लाल

इकाई चार– **एक और द्रोणाचार्य** – शंकर शेष

परीक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए निर्देश :

1. प्रथम प्रश्न अतिलघूत्तरी होगा। इस प्रश्न के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न होंगे सभी दस प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा।

   10X 1 = 10 अंक

2. प्रश्न संख्या 2,3, 4 एवं 5 में प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। व्याख्या 7 अंक की होगी और आलोचनात्मक प्रश्न 8 अंक का होगा।

   व्याख्या 4X 7 = 28 अंक

   आलोचनात्मक प्रश्न 4X 8 = 32 अंक

सहायक पुस्तकें –

भारतेन्दु का नाट्य साहित्य : वीरेन्द्र कुमार शुक्ल
प्रसाद : नाट्य और रंगशिल्प : गोविन्द चातक,
हिन्दी नाटक : बच्चनसिंह
आज का हिन्दी नाटक : प्रगति और प्रभाव : दशरथ ओझा
अंधेर नगरी : समीक्षा की नई दृष्टि – भवदेव पाण्डेय

पाठ्यक्रम संख्या MHINSC 401

कौशल पाठ्यक्रम (Skill Course): IV
(अन्य विभाग के विद्यार्थियों के लिए)
लोक संस्कृति

इकाई 1 : लोक संस्कृति की अवधारणा , स्वरूप
लोक साहित्य की परिभाषा और आभिजात्य साहित्य में अन्तर
लोक संस्कृति का सामाजिक विकास में योगदान
लोक संस्कृति के अध्ययन का इतिहास व उसकी विभिन्न पद्धतियाँ (भारतीय एवं पाश्चात्य)

इकाई 2 : लोक संस्कृति के प्रमुख अध्येता –
राहुल सांकृत्यायन , देवेन्द्र सत्यार्थी, रामनरेश त्रिपाठी , कृष्णदेव उपाध्याय, श्याम परमार, विजयदान देथा, कोमल कोठारी, मनोहर शर्मा ,झवेरचन्द मेघानी, विद्यानिवास मिश्र, कन्हैयालाल सहल, लक्ष्मी कुमारी चूण्डावत, देवीलाल सांमर, जॉन डी स्मिथ।

इकाई 3 : प्रमुख लोक साहित्य विधाएँ –
लोक गीत, लोक कथा, लोक गाथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य, लोकोक्तियाँ, लोक कलाएँ, प्रमुख लोक गाथाओं का परिचय : पाबूजी री पड़ , बगड़ावत , वीर तेजा।

इकाई 4 : राजस्थानी लोक संस्कृति –
प्रमुख लोक देवी–देवता और उनके प्रसिद्ध स्थान, लोकोत्सव, प्रमुख त्यौहार और मेले, लोक संगीत , लोक कलाकार, लोक व्यंजन, वेश–भूषा, लोक कलाएँ।

सहायक ग्रन्थ –

1. लोक साहित्य विज्ञान – सत्येन्द्र
2. लोक साहित्य की भूमिका – कृष्णदेव उपाध्याय
3. लोकसाहित्य का अध्ययन – त्रिलोचन पाण्डेय
4. लोकधर्मी नाट्य परम्परा – श्याम परमार
5. हिन्दी साहित्य का वृहद इतिहास : नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी (16वाँ खण्ड)
6. संस्कृति के चार अध्याय : रामधारीसिंह 'दिनकर'
7. राजस्थानी लोक साहित्य का सैद्धांतिक विवेचन : सोहनदान चारण
8. राजथानी लोकगाथा : एक अध्ययन : कृष्ण कुमार शर्मा
9. राजस्थानी लोकसाहित्य : नानूराम संस्कर्ता
10. लोकगीत की सत्ता : सुरेश गौतम

M.A.Previous Hindi
Annual Scheme 2022

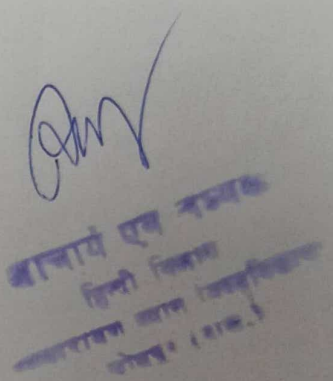

एम.ए. हिन्दी पूर्वार्द्ध, परीक्षा 2022

वार्षिक

इस वार्षिक परीक्षा में चार लिखित प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न–पत्र तीन घण्टे की अवधि और 100 अंकों का होगा। कुल पूर्णांक 400 होंगे।

प्रथम प्रश्न–पत्र	: आधुनिक काव्य
द्वितीय प्रश्न–पत्र	: गद्य साहित्य
तृतीय प्रश्न–पत्र	: काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन
चतुर्थ प्रश्न–पत्र	: हिन्दी साहित्य का इतिहास

आचार्य
हिन्दी विभाग
जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय
जोधपुर (राज.)

एम.ए. हिन्दी पूर्वार्द्ध, परीक्षा 2022
प्रथम प्रश्न–पत्र
आधुनिक काव्य

इकाई 1 : **साकेत** –मैथिलीशरण गुप्त (निर्धारित काव्यांश–नवम सर्ग)
कामायनी –जयशंकर प्रसाद (निर्धारित सर्ग–चिंता, श्रद्धा, लज्जा और इड़ा), भारती भंडार, लीडर प्रेस, इलाहाबाद

इकाई 2 : **राग–विराग** –निराला– (सं.) रामविलास शर्मा (निर्धारित कविताएँ–राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति), लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
आज के लोकप्रिय हिन्दी कवि –अज्ञेय–(सं.) विद्यानिवास मिश्र (निर्धारित कविताएँ–बावरा अहेरी, शब्द और सत्य, हिरोशिमा, सोनमछली, टेसू, नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, कितनी नावों में कितनी बार), भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली

इकाई 3 : **चाँद का मुँह टेढ़ा है** –मुक्तिबोध (निर्धारित कविता–अँधेरे में), भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ (सं.) नामवरसिंह (निर्धारित कविताएँ–प्रतिबद्ध हूँ, तन गयी रीढ़, खुरदरे पैर, यह तुम थी, बादल को घिरते देखा है, बहुत दिनों के बाद, मेरी भी आभा है इसमें, फसल, प्रेत का बयान, सत्य), राजकमल प्रकाशन दिल्ली

इकाई 4 : **द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवि**–1. श्रीधर पाठक, 2. सुभद्राकुमारी चौहान, 3. महादेवी वर्मा, 4. नरेश मेहता, 5. कुँवर नारायण

इकाई 5 : **द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवि**–1. धूमिल, 2. दुष्यन्त कुमार, 3. अशोक वाजपेयी, 4. चंद्रकांत देवताले, 5. लीलाधर जगूड़ी

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या तथा इकाई चार, पाँच में निर्धारित कवियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों/कवियों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

साकेत : एक अध्ययन : नगेन्द्र
कामायनी का पुनर्मूल्यांकन : रामस्वरूप चतुर्वेदी
निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा
अज्ञेय की कविता : चन्द्रकान्त बांदिवडेकर
गजानन माधव मुक्तिबोध : लक्ष्मण दत्त गौतम
कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह
महादेवी का काव्य सौष्ठव : कुमार विमल
सुमित्रानन्दन पंत : नगेन्द्र
उत्तरशती के श्रेष्ठ हिन्दी कवि : संपा. लालचन्द गुप्त
युग चारण दिनकर : सावित्री सिन्हा
निराला : आत्महंता आस्था : दूधनाथ सिंह
फिलहाल : अशोक वाजपेयी
छायावाद में यथार्थ तत्त्व : छोटाराम कुम्हार
कविता की राह : कौशलनाथ उपाध्याय
नागार्जुन : सत्यनारायण

एम.ए. हिन्दी पूर्वार्द्ध, परीक्षा 2022 (वार्षिक पद्धति)

द्वितीय प्रश्न–पत्र

गद्य साहित्य

इकाई– 1 **निबंध** – भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है (भारतेन्दु हरिश्चंद्र), शिवशंभु के चिट्ठे (बालकृष्ण भट्ट), मजदूरी और प्रेम (अध्यापक पूर्ण सिंह), कविता क्या है ? (रामचंद्र शुक्ल), नाखून क्यों बढ़ते हैं (हजारी प्रसाद द्विवेदी), तुलसी साहित्य के सामंत विरोधी मूल्य (रामविलास शर्मा), हल्दी, दूब और दधि अक्षत (विद्यानिवास मिश्र), उत्तर फाल्गुनी के आस–पास (कुबेरनाथ राय)–कुल सात

इकाई –2 **गोदान**– प्रेमचंद, मैला आँचल– फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई–3 **एक टोकरी भर मिट्टी,** उसने कहा था, राही, कफन, आकाशदीप, अपना–अपना भाग्य, तीसरी कसम, गैंग्रीन, चीफ की दावत, परिंदे = कुल 10

इकाई–4 **द्रुतपाठ : निबंधकार**–भारतेंदु हरिशचन्द्र, बालमुकुंद गुप्त, प्रतापनारायण मिश्र, नाटककार– जयशंकर प्रसाद, लक्ष्मीनारायण मिश्र, जीवनी–अमृतराय,

इकाई–5 **उपन्यासकार**–जैनेंद्र , अमृतलाल नागर, कहानीकार–अमरकांत, विष्णु प्रभाकर, आत्मकथाकार – हरिवंशराय बच्चन

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य कृतियों से विकल्प सहित एक–एक (कुल तीन) व्याख्या
इकाई चार, पाँच में निर्धारित रचनाकारों से विकल्प सहित एक–एक (कुल दो) टिप्पणीपरक प्रश्न
(शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) इकाई एक, दो, तीन में निर्धारित पाठ्य कृतियों/कृतिकारों से कुल पाँच आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

प्रसाद : नाट्य और रंगशिल्प : गोविन्द चातक
मोहन राकेश का नाट्य साहित्य : पुष्पा बंसल
गोदान : अध्ययन की समस्याएँ : गोपालराय
हिन्दी निबंध का विकास : ओंकारनाथ शर्मा
कहानी : नयी कहानी : नामवर सिंह
महादेवी का गद्य : सूर्यप्रसाद दीक्षित
हिन्दी उपन्यास साहित्य का अध्ययन : एस.एन. गणेशन
हिन्दी कहानी : समीक्षा और सन्दर्भ : विवेकी राय
हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचन्द्र तिवारी
हिन्दी कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी
कहानी का वर्तमान : कौशलनाथ उपाध्याय
फणीश्वरनाथ रेणु का कथा संसार : सूरज पालीवाल
महादेवी वर्मा : सं. परमानन्द श्रीवास्तव
प्रेमचन्द का कहानी साहित्य (चरित्र चित्रण के विविध आयाम) : श्रवणकुमार मीणा
प्रेमचन्द और भारतीय किसान : रामबक्ष
फणीश्वरनाथ रेणु का कथा शिल्प : रेणु शाह

एम.ए. हिन्दी पूर्वार्द्ध, परीक्षा 2022 (वार्षिक पद्धति)

तृतीय प्रश्न–पत्र

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

इकाई 1 : **भारतीय काव्य चिंतन**– परंपरा का एतिहासिक विकास एवं काव्य चिंतन के प्रमुख अवधारणात्मक पद, कवि समय

संस्कृत काव्यशास्त्र–काव्यलक्षण, काव्यहेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य के प्रकार

रस–सिद्धान्त : रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति,साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा

अलंकार–सिद्धान्त : मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण

इकाई 2 : **रीति सिद्धान्त** : रीति की अवधारणा, रीति–सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ

वक्रोक्ति सिद्धान्त : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद

ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि–सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनिकाव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य, चित्रकाव्य

औचित्य सिद्धान्त : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद

इकाई 3 : **पाश्चात्य चिन्तक**–

अरस्तू–अनुकरण और विरेचन सिद्धान्त

लोंजाइनस–उदात्त की अवधारणा

वर्ड्सवर्थ–काव्यभाषा का सिद्धान्त

कॉलरिज–कल्पना सिद्धान्त और ललित कल्पना

टी.एस. इलियट–परम्परा की परिकल्पना, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण

आई.ए. रिचर्ड्स–रागात्मक अर्थ, संवेगों का सन्तुलन, व्यावहारिक आलोचना

इकाई 4 : **सिद्धान्त और वाद** –– स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद

इकाई 5 : **हिन्दी काव्यशास्त्र और आलोचना**–

लक्षण–काव्य परम्परा, रीतिकालीन कवि–आचार्यों–केशव, चिन्तामणि, देव, भिखारीदास का काव्यशास्त्रीय चिंतन।

हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ–शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय ।

<u>प्रश्न एवं अंक–विभाजन</u>

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जायेगा जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

<u>सहायक पुस्तकें</u>–

भारतीय साहित्यशास्त्र : बलदेव उपाध्याय

भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश त्र्यम्बक देशपाण्डे

रस–मीमांसा : रामचन्द्र शुक्ल

रस–सिद्धान्त : स्वरूप विश्लेषण : आनन्दप्रकाश दीक्षित

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्रनाथ शर्मा

पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त : शान्तिस्वरूप गुप्त

भारतीय काव्यशास्त्र एवं पाश्चात्य चिन्तन : सभापति मिश्र

हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास : भगीरथ मिश्र

आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह

भारतीय काव्यशास्त्र : योगेन्द्र प्रताप सिंह

एम.ए. हिन्दी पूर्वार्द्ध, परीक्षा 2022 (वार्षिक पद्धति)

चतुर्थ प्रश्न–पत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास

इकाई 1 : इतिहास–दर्शन और साहित्येतिहास, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, हिन्दी साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ। हिन्दी साहित्य का इतिहास–काल–विभाजन, सीमा–निर्धारण और नामकरण। आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, रासो काव्य, आदिकालीन काव्यरूप, अब्दुर्रहमान, अमीर खुसरो एवं विद्यापति का योगदान, हिन्दी साहित्य के विकास में राजस्थान का योगदान।

इकाई 2 : पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि। सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आन्दोलन। प्रमुख निर्गुण सन्त कवि और काव्य–प्रवृत्तियाँ। भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य–प्रवृत्तियाँ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्त्व। रामकाव्य–परम्परा और तुलसीदास। कृष्णकाव्य–परम्परा तथा प्रमुख कवियों का रचनागत वैशिष्ट्य। राम–कृष्ण काव्येतर भक्तिकाव्य। भक्तीतर काव्य।

इकाई 3 : उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रन्थों की परम्परा, रीतिकालीन कवियों की जीवन दृष्टि, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त कवि और काव्य, प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ, रीतिकाल की अवान्तर काव्य धाराएँ–भक्ति, वीर और नीति काव्य।

इकाई 4 : 1857 ई. की राज्यक्रान्ति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण। आधुनिक काव्य–भारतेन्दु युग–प्रमुख कवि और काव्यगत विशेषताएँ। द्विवेदी युग–प्रमुख कवि और काव्यगत वैशिष्ट्य। राष्ट्रीय काव्यधारा और उसके प्रमुख कवि। छायावाद, उत्तर छायावादी काव्य, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता।

इकाई 5 : हिन्दी गद्य का उद्भव तथा विकास, हिन्दी उपन्यास–विकास के प्रमुख चरण, हिन्दी कहानी का विकास और प्रमुख कहानी आन्दोलन, हिन्दी निबन्ध का विकास, हिन्दी नाटक–विकास के चरण, हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास। हिन्दी गद्य की अन्य विधाओं–एकांकी, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा की विकास–यात्रा। दलित लेखन, स्त्री लेखन। हिन्दीतर क्षेत्रों में हिन्दी भाषा और साहित्य।

प्रश्न एवं अंक–विभाजन

खण्ड (क) प्रत्येक इकाई से दो–दो (कुल दस) लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10 X 2 = 20 अंक

खण्ड (ख) प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक (कुल पाँच) टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5 X 7 = 35 अंक

खण्ड (ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछा जायेगा जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे। (शब्द सीमा 500 शब्द) 3 X 15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें–

साहित्य का इतिहास–दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा
साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप : सुमन राजे
हिन्दी साहित्य के इतिहासों का इतिहास : किशोरीलाल गुप्त
हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : रामकुमार वर्मा
हिन्दी साहित्य का अतीत : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह
हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
हिन्दी साहित्य सुबोध इतिहास : हरिराम पाठक
हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबू गुलाब राय
भक्ति–आन्दोलन और लोकसंस्कृति : कुँवरपाल सिंह
दलित साहित्य आन्दोलन : चन्द्र कुमार बरठे
स्त्रीत्व का मानचित्र : अनामिका
हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपतिचन्द्र गुप्त
स्त्री विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य : के.एम. मालती
हिन्दी साहित्य में मध्ययुगीनता की अवधारणा–पूर्णदास
दलित साहित्य और समसामयिक सन्दर्भ : श्रवणकुमार मीणा
साहित्यालोचन : विविध रंग – रेणु शाह

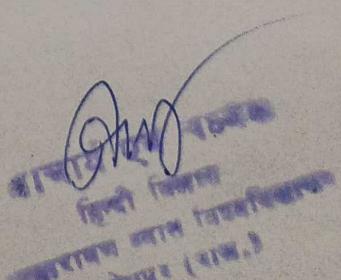

पी–एच.डी.प्रवेश परीक्षा
(एम.पी.ई.टी.) पाठ्यक्रम (हिन्दी) 2021

निर्देश : प्रश्नपत्र में 50 बहुविकल्पी प्रश्न (बहुविकल्पी, सुमेलित,सत्य–असत्य कथन आदि के रूप में होंगे, जिनका अंक 50 होगा।) (50 x 1 = 50)

(खण्ड क) हिन्दी भाषा और उसका विकास :

अपभ्रंश (अवहट्ठ सहित) और पुरानी हिन्दी का संबंध, काव्यभाषा के रूप में अवधी का उदय और विकास, काव्यभाषा के रूप में ब्रजभाषा का उदय और विकास, साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का उदय और विकास, मानक हिन्दी का भाषा वैज्ञानिक विवरण(रूपगत), हिन्दी–बोलियाँ –वर्गीकरण तथा क्षेत्र, नागरी लिपि का विकास तथा उसका मानकीकरण। हिन्दी प्रसार के आन्दोलन,प्रमुख व्यक्तियों तथा संस्थाओं का योगदान, राजभाषा के रूप में हिन्दी।

हिन्दी भाषा– प्रयोग के विविध रूप – बोली, मानक भाषा, सम्पर्क भाषा , राजभाषा और राष्ट्रभाषा , संचार– माध्यम और हिन्दी।

(खण्ड ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास –दर्शन, हिन्दी साहित्य के इतिहास–लेखन की पद्धतियाँ, हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास–ग्रंथ , हिन्दी के प्रमुख साहित्यिक केन्द्र, संस्थाएँ एवं पत्र–पत्रिकाएँ, हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन और नामकरण।

आदिकाल : हिन्दी साहित्य का आरम्भ कब और कैसे , रासो– साहित्य, आदिकालीन हिन्दी का जैन साहित्य, सिद्ध और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आरम्भिक गद्य तथा लौकिक साहित्य।

मध्यकाल : भक्ति –आंदोलन के उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण, प्रमुख निर्गुण एवं सगुण सम्प्रदाय, वैष्णव भक्ति की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार संत, प्रमुख सम्प्रदाय और आचार्य, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तःप्रादेशिक वैशिष्ट्य, निर्गुण–सगुण का संबंध, साम्य और वैषम्य,।

हिन्दी संत काव्य : संत काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण संत कवि – कबीर : भक्तिभावना, रहस्यवाद, समाजदर्शन, काव्यकला, नानक, दादू, रैदास। संतकाव्य की प्रमुख विशेषताएँ, भारतीय धर्मसाधना में संत कवियों का स्थान।

हिन्दी सूफी काव्य : सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य – मुल्लादाउद (चंदायन), कुतुबन (मिरगावती), मंझन (मधुमालती), मलिक मुहम्मद जायसीः (पद्मावत), सूफी प्रेमाख्यानकों का स्वरूप, हिन्दी सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।

हिन्दी कृष्ण काव्य : विविध सम्प्रदाय, वल्लभ सम्प्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्णभक्त कवि और काव्य– सूरदास (सूरसागर) नन्ददास (रासपंचाध्यायी) ; भ्रमरगीत परम्परा , हिन्दी कृष्णकाव्य – मीरा और रसखान।

हिन्दी रामकाव्य : भक्तिभावना, दर्शन, सामाजिक–सांस्कृतिक दृष्टि, लोक मंगल, युगबोध, काव्यदृष्टि, विविध सम्प्रदाय, रामभक्ति शाखा के कवि और काव्य, तुलसीदास : प्रमुख कृतियाँ, काव्यरूप और उनका महत्व।

रीतिकाल : सामाजिक –सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, रीतिकाव्य के मूल स्रोत, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व, विविध काव्यधाराएँ, रीतिकाल के प्रमुख कवि– केशवदासः मतिराम , भूषणः, बिहारीलाल, देव, घनानंद, पद्माकर ; रीतिकाव्य गें लोकजीवन,

आधुनिक काल : हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास, भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्य, 1857 की राज्यक्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, भारतेंन्दु तथा उनका मंडल, 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध की हिन्दी पत्रकारिता

द्विवेदी युग : महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग , हिन्दी नवजागरण और सरस्वती, मैथिलीशरणगुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छन्दतावाद और उसके प्रमुख कवि।

छायावाद और उसके बाद : छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, छायावाद के प्रमुख कवि – प्रसाद, निराला, पंत और महादेवी, उत्तर छायावादी काव्य और उराके प्रमुख कवि, प्रगतिशील काव्य और उसके प्रमुख कवि, प्रयोगवाद और नई कविता के कवि, समकालीन कविता, समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता।

(खण्ड ग) – हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

हिन्दी उपन्यास : प्रेमचंद पूर्व उपन्यास , प्रेमचंद और उनका युग, प्रेमचंद के परवर्ती प्रमुख उपन्यासकार : जैनेन्द्र , अज्ञेय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, यशपाल, अमृतलाल नागर, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी, कृष्णा सोबती, निर्मल वर्मा, नरेश मेहता, श्रीलाल शुक्ल, राही मासूम रजा, रांगेय राघव, मन्नू भंडारी ।

हिन्दी कहानी :

बीसवीं सदी की हिन्दी कहानी और प्रमुख कहानी आन्दोलन,अद्यतन कहानी ।

हिन्दी नाटक :

हिन्दी नाटक और रंगमंच , विकास के चरण और प्रमुख नाटयकृतियां, अन्धेर नगरी, चन्द्रगुप्त, स्कन्दगुप्त, ध्रुवस्वामिनी, अन्धायुग, आधे–अधूरे, आषाढ का एक दिन, एक और द्रोणाचार्य, सिंदुर की होली, हिन्दी एकांकी।

हिन्दी निबंध : हिन्दी निबंध के प्रकार तथा प्रमुख निबंधकार – रामचन्द्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, कुबेरनाथ राय, हरिशंकर परसाई, विद्यानिवास मिश्र, विवेकीराय, श्यामसुंदर दुबे, श्रीराम परिहार ।

हिन्दी आलोचना : हिन्दी आलोचना का उद्‌भव एवं विकास । समकालीन हिन्दी आलोचना एवं उसके विविध प्रकार तथा प्रमुख आलोचक।

हिन्दी की अन्य गद्य विधाएँ : संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा साहित्य, आत्मकथा जीवनी रिपोर्ताज, व्यंग्य लघु कथा, पत्र साहित्य एवं डायरी

हिन्दी का प्रवासी साहित्य : अवधारणा एवं प्रमुख साहित्यकार

लोक साहित्य – सामान्य परिचय, लोक साहित्य की प्रमुख विधाएं एवं वर्गीकरण, हिन्दी प्रदेशों का लोक साहित्य, लोक संस्कृति की अवधारणा लोक संस्कृति और साहित्य।

(खण्ड घ) काव्यशास्त्र और आलोचना :

भरतमुनि का रस सूत्र और उसके प्रमुख व्याख्याकार, रस के अवयव साधारणीकरण , शब्द शक्तियाँ और ध्वनि का स्वरूप ।

अलंकार : यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रांतिमान अतिश्योक्ति, दृष्टांत, उदाहरण, विरोधाभाष।

छंद : दोहा , सोरठा, चौपाई, रोला, मदाक्रान्ता, मत्तगयन्द,सवैया, दुर्मिल सवैया, देव धनाक्षरी,रीति गुण, दोष।

मिथक, फन्तासी, कल्पना, प्रतीक और बिम्ब।

स्वच्छन्दतावाद और यथार्थवाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनाबाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता।

आलोचना के बीज बिन्दु : भारतीय चिंतन परम्परा, नवशास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद और यथार्थवाद, आभिजात्यवाद और नवआभिजात्यवाद, कलावाद, सांस्कृतिकतावाद, बिम्बवाद, प्रतीकवाद, संरचनावाद तथा उत्तर संरचनावाद (उत्तर आधुनिकता), विखण्डन एवं नयी समीक्षा ।

(खण्ड ड)– आधुनिक काव्य

आधुनिकता – अवधारणा और उसके उदय की पृष्ठभूमि, हिन्दी पुनर्जागरण और भारतेन्दु।

महावीर प्रसाद द्विवेदी – नवजागरण, काव्यभाषा के रूप में खड़ी बोली की प्रतिष्ठा हरिऔध, मैथलीशरण गुप्त।

छायावाद – स्वच्छन्दतावाद और छायावाद, सामाजिक–सांस्कृतिक दृष्टि स्वाधीनता की चेतना, गांधी का प्रभाव, अन्तर्धाराएं, राष्ट्रीय काव्य धारा।

प्रसाद – जीवन–दर्शन, सांस्कृतिक दृष्टि,सौन्दर्य चेतना, कामायनी का आधुनिक संदर्भ

पन्त– कल्पनाशीलता, प्रकृतिचित्रण, काव्य यात्रा, काव्य भाषा।

निराला– सामाजिक सांस्कृतिक दृष्टि, प्रगति एवं बिम्ब, वैचारिक पृष्ठभूमि,मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद।

प्रगतिवाद– सामाजिक दृष्टि, नागार्जुन– यथार्थ चेतना और लोकदृष्टि, केदारनाथ अग्रवाल–प्रकृति चित्रण, सौन्दर्य बोध, शमशेर, काव्यानुभूति और सौन्दर्य दृष्टि।

प्रयोगवाद – दृष्टि चेतना, अज्ञेय–प्रयोगधर्मिता और काव्यगाथा।

नयी कविता– दृष्टि समष्टि बोध।

समकालीन कविता– काल संसक्ति और लोक संसक्ति, रघुवीर सहाय–राजनैतिक चेतना, काव्य धारा।

कुंवर नारायण – मिथकीय चेतना, काव्य दृष्टि।

(खण्ड च)– गद्य साहित्य

मध्यवर्ग का उदय और उपन्यास, उपन्यास और यथार्थ

प्रेमचन्द पूर्व हिन्दी उपन्यास : परीक्षा गुरु, चन्द्रकांता– वस्तु और शिल्प

प्रेमचन्द युगीन उपन्यास : गोदान– मुख्य पात्र, यथार्थ और आदर्श

गोदान और भारतीय किसान, महाकाव्यात्मक वस्तु–शिल्प वैशिष्ट्य

प्रेमचन्दोत्तर उपन्यास : शेखर एक जीवनी– मनोवैज्ञानिक आयाम

वस्तुशिल्पगत वैशिष्ट्य, मैला आंचल : वस्तुशिल्प, आंचलिकता, बाणभट्ट की आत्मकथा–इतिहास और सांस्कृति चेतना, निपुणिका और नारी मुक्ति की आकांक्षा, भाषा शिल्प वैशिष्ट्य।

कहानी और प्रमुख कहानीकार : प्रेमचन्द और प्रसाद की कहानी कला।

प्रेमचन्दोत्तर कहानी : नयी कहानी, साठोत्तरी कहानी, समकालीन कहानी– संवेदना और शिल्प , कथा साहित्य में नव विमर्श

हिन्दी नाटक और भारतेन्दु : भारत दुर्दशा, अंधेरनगरी, यथार्थ बोध

प्रसाद के नाटक : चन्द्रगुप्त, ध्रुवस्वामिनी, राष्ट्रीय और सांस्कृतिक चेतना नाट्य शिल्प।

प्रसादोत्तर नाटक : अंधायुग, आधे–अधूरे, आधुनिकता बोध, प्रयोगधर्मिता और नाट्यभाषा।

निबंध और प्रमुख निबंधकार : बालकृष्ण भट्ट, रामचन्द्र शुक्ल, चिन्तामणि, अन्तर्वस्तु और शिल्प।

शुक्लोत्तर निबन्ध और निबन्धकार : हजारीप्रसाद द्विवेदी, कुबेरनाथ राय, विद्यानिवास मिश्र–संस्कृति बोध, लोक संस्कृति।

(खण्ड छ)– काव्यधारा और आलोचना

काव्यलक्षण, काव्यहेतु, काव्यप्रयोजन, काव्यभेद।

प्रमुख सिद्धांत : रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा। हिन्दी काव्य का इतिहास।

आधुनिक हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : शास्त्रीय, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय शैली, वैज्ञानिक,समाजशास्त्रीय। प्लेटो का अनुकरण सिद्वान्त तथा अरस्तू का विरेचन सिद्वांत।

लोंजाइनस : काव्य में उदात्त तत्व

क्रोंचे का अभिव्यंजनावाद

वर्ड्सवर्थ का काव्यधारा सिद्धांत।

कॉलरिज की कल्पना और फैंटेसी।

आई.ए.रिचर्ड्स – सम्प्रेषण सिद्धान्त।

टी.एस.इलियट – निर्वयक्तिक्तावाद, संरचनावाद, उत्तरसंचनावाद, आधुनिकता, उत्तरआधुनिकता, विखण्डनवाद।

(खण्ड ज) – पाठ्यपुस्तकों पर आधारित प्रश्न

पृथ्वीराज रासो– रेवा तट सं. विपिन बिहारी त्रिवेदी

अमीर खुसरो – खुसरो की पहेलियाँ और मुकरियाँ

विद्यापति की पदावली – सं. डॉ.नरेन्द्र झा, पदसंख्या 1–25

कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी (दोहा पद संख्या 160 से 209)

जायसी – पद्मावत्, सं. वासुदेवशरण अग्रवाल– नागमती वियोग खण्ड

सूरदास – भ्रमरगीत सार– (सं.रामचन्द्र शुक्ल)– पद संख्या 21–70

तुलसीदास– उत्तरकाण्ड, रामचरितमानस, गीता प्रेस गोरखपुर

बिहारी सतसई– जगन्नाथ दास रत्नाकर, दोहा संख्या 1–50

घनानंद कवित्त सं. विश्वनाथ मिश्र– कवित्त संख्या 1–30

मीराबाई की पदावली, सं. परशुराम चतुर्वेदी (पद सं. 1,3,18,28,32,36,38,41,53,70)

अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'– प्रियप्रवास

पी–एच.डी. पूर्व कोर्स वर्क

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय,जोधपुर
हिन्दी विभाग

तृतीय प्रश्न पत्र

हिन्दी साहित्य का वैचारिक पृष्ठभूमि

अवधि : दो घण्टे

पूर्णांक : 100

नोटः सम्पूर्ण प्रश्न पत्र पाँच इकाइयों में विभक्त हैं, प्रत्येक इकाई 20 अंकों की है। प्रत्येक इकाई से विकल्प सहित एक–एक प्रश्न पूछा जायेगा।

इकाई 1 – साहित्य की मौखिक परंपरा : अवधारणा एवं स्वरूप, विचारधारा और साहित्य , मध्ययुगीन बोध का स्वरूप, मध्यकालीन विभिन्न धर्म साधनाएँ और वैष्णव धर्मान्दोलन।

इकाई 2 – मध्ययुगीन बोध और आधुनिक बोध में साम्य – वैषम्य, परम्परा और आधुनिकता, आधुनिकता बोध और औद्योगिक संस्कृति, साहितय में संस्कृति का स्वरूप एवं पाठालोचन

इकाई 3 – राष्ट्रीयता और अन्तरराष्ट्रीयता, पुनर्जागरण, पुनरूत्थान और हिन्दी लोक जागरण, राष्ट्रीय स्वातंत्र्य आन्दोलन, लोक साहित्य में स्वातंत्र्य समर के स्वर ।

इकाई 4 – हिन्दी साहित्य से संबंद्ध विशिष्ट वाद एवं विमर्श – धर्म एवं अध्यात्मवाद , गाँधीवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, अन्तश्चेतनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद, विविध नवविमर्श।

इकाई 5 – हिन्दी साहित्य की शोध प्रविधि – साहित्य की तुलनात्मक अध्ययन प्रविधि, हिन्दी पाठालोचन की प्रक्रिया एवं प्रविधि, सांस्कृतिक अध्ययन, साहित्य की लोकतात्विक अध्ययन प्रविधि, शोध और वैज्ञानिक पद्धति, इतिहास दर्शन, भाषा वैज्ञानिक अध्ययन, साहित्य का समाज, शास्त्रीय एवं मनोवैज्ञानिक अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ :

1. तुलनात्मक साहित्य सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
2. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ– रामविलास शर्मा, किताब घर, नई दिल्ली
3. लोक और लोक का स्वर – पं.विद्यानिवास मिश्र
4. तुलनात्मक साहित्य, भारतीय परिप्रेक्ष्य – इंद्रनाथ चौधरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. अनुसंधान प्रविधि और क्षेत्र– राजमल बोरा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. शोध और सिद्धांत – नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
7. शोध प्रविधि – विनय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
8. शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि– बैजनाथ सिंहल, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
9. पाठालोचन– डॉ.कन्हैया सिंह

पीएच0डी0 पूर्व परीक्षा (कोर्स वर्क) हिन्दी 2020

चतुर्थ प्रश्न पत्र

हिन्दी साहित्य : विविध आयाम

अवधि : 1.30 घण्टे **पूर्णांक – 100**

प्रश्न–1 सिद्ध कवियों के साहित्यिक अवदान पर प्रकाश डालिए।

अथवा

रासो काव्य परम्परा का विवेचन करते हुए पृथ्वीराज रासो की प्रमाणिकता का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न–2 भक्ति आन्दोलन के उदय के कारणों का विवेचन कीजिए।

अथवा

राजस्थान का भक्ति आन्दोलन और विविध सम्प्रदायों पर टिप्पणी लिखिए।

प्रश्न–3 परचयी काव्य से आप क्या समझते हैं ? विस्तार से समझाइये।

अथवा

भक्तमाल परम्परा का विस्तार से विवेचन कीजिए।

प्रश्न–4 आधुनिकता की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसके उदय के कारणों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

प्रयोगवाद की काव्यगत प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न–5 हिन्दीतर क्षेत्रों में हिन्दी की दशा और दिशा पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

अथवा

हिन्दी उपन्यास लेखन में यथार्थ दृष्टि को स्पष्ट करते हुए महत्वपूर्ण उपन्यासों का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।